

खैर लकड़ी तस्करी का बड़ा गिरोह फूटा : 1.70 करोड़ नकद और 15 टन लकड़ी जब्त

छ.ग.फ्रंटलाइन
महासमुंद। महासमुंद पुलिस ने खैर लकड़ी की अवैध तस्करी और फर्जी दस्तावेजों के जरिए लकड़ी को वैध दिखाकर खपाने वाले अंतरराज्यीय सिंडिकेट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है।

पुलिस की टीम ने हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और ओडिशा



सहित अलग-अलग राज्यों में दबिश देकर तस्करी के नेटवर्क का खुलासा किया है। कार्रवाई के दौरान तस्करी से

फर्जी कागजात के जरिए अवैध को दिखाया वैध लकड़ी

इस सिंडिकेट के कथित मास्टरमाइंड सत्यपाल सिंह, उम्र 67 वर्ष, निवासी ज्वालापुर, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश को पुलिस ने 12 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार किया। आरोप है कि, वह अपनी फर्म शिवालिक ट्रेडर्स के नाम पर फर्जी एनटीपी यानी वन परिवहन पत्रिका, फर्जी बिल और बैंक खातों के जरिए अवैध खैर लकड़ी को वैध दर्शाकर कारोबार करता था। पुलिस के अनुसार, इस नेटवर्क के जरिए करोड़ों रुपये का लेनदेन किया गया है।

अर्जित बताए जा रहे 1 करोड़ 70 लाख रुपये नकद और करीब 15 टन अवैध खैर

लकड़ी जब्त की गई है। पुलिस के मुताबिक, ग्राम बगबोडा कला, थाना बिराभाटपुरा देहात

स्थित श्री बालाजी ट्रेडिंग के गोदाम से करीब 15 टन खैर लकड़ी बरामद हुई है। वहीं,

अब पूरे नेटवर्क की तलाश

मामले में थाना पिथौरा में अपराध दर्ज कर बीएनएस, आर्म्स एक्ट और भारतीय वन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी को हिमाचल प्रदेश की अदालत से ट्रॉजिट रिमांड पर महासमुंद लाया गया है। पुलिस अब तस्करी के पूरे नेटवर्क, इसमें शामिल अन्य लोगों और अवैध कारोबार से अर्जित संपत्ति की जांच कर रही है।

इस पूरे मामले में अब तक ओडिशा, मध्यप्रदेश, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में

कार्रवाई करते हुए कुल 70 टन अवैध खैर लकड़ी जब्त की जा चुकी है।

चोरी के सदेह पर ग्रामीणों ने दो युवकों के साथ किया अमानवीय बर्ताव

■ सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

छ.ग.फ्रंटलाइन
सूरजपुर। जिले के ग्रामीण अंचल में कानून व्यवस्था को ताक पर रखकर खुद न्याय करने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिले के ग्राम आमगांव में पंप चोरी करने के संदेह में दो युवकों को बंधक बनाकर न केवल उनके साथ अमानवीय बर्ताव किया गया, बल्कि जूतों की माला पहनाकर पूरे गांव में जुलूस निकाला गया। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने



प्रशासनिक व्यवस्था और सामाजिक संवेदनशीलता दोनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत आमगांव क्षेत्र में सिलसिलेवार हो रही चोरियों से ग्रामीण परेशान और आक्रोशित हैं। इसी बीच निकटवर्ती ग्राम

पंचायत कोट निवासी दो युवकों पर पानी का पंप चोरी कर उसे एक हजार रुपये में किसी कबाड़ी को बेचने का शक जताया गया। ग्रामीणों ने दोनों युवकों को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना देने के बजाय खुद ही सजा मुकर्रर कर दी।

गले में जूतों की माला, गालियां, धक्का-मुक्की और मारपीट

सामने आए वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि भीड़ ने दोनों युवकों के गले में जूतों की माला डाल रखी है और उन्हें अपमानित करते हुए गांव की गलियों में घुमाया जा रहा है। इस दौरान कुछ लोग उनके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट करते भी नजर आ रहे हैं। तमाशबीन बनी भीड़ में से किसी ने भी इस बर्बरता को रोकने का प्रयास नहीं किया, बल्कि मोबाइल से वीडियो बनाकर इंटरनेट पर साझा कर दिया। लगातार क्षेत्र में हो रहे चोरी जैसे अपराधों से ग्रामीणों का परेशान होना स्वाभाविक हो सकता है, लेकिन किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी नागरिक को अमानवीय यातना देने का अधिकार किसी भीड़ को नहीं है। चोरी के आरोपों और कथित सलिसता की अभी तक कोई पुष्टि नहीं हो सकी है। घटना का वीडियो संज्ञान में आने के बाद क्षेत्र में तनाव और चर्चा का माहौल है। अब देखना यह होगा कि स्थानीय पुलिस इस मामले में कथित चोरी की जांच के साथ-साथ कानून को हाथ में लेकर बर्बरता करने वाले उपद्रवियों पर क्या कानूनी कार्रवाई करती है।

CGPSC अध्यक्ष की नियुक्ति जल्द करने की मांग

■ राजपत्रित अधिकारी संघ ने CM साथ और मुख्य सचिव को लिखा पत्र

छ.ग.फ्रंटलाइन
रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (CGPSC) में अध्यक्ष की नियुक्ति जल्द करने की मांग उठी है। छत्तीसगढ़ प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ ने इस संबंध में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और मुख्य सचिव विकास शील को पत्र लिखा है। संघ के मुताबिक, CGPSC में अध्यक्ष का पद करीब दो महीने से खाली है। इसके कारण प्रदेश के 54 विभागों में काम कर रहे कई पात्र अधिकारियों के प्रमोशन अटक गए हैं। संघ के प्रांताध्यक्ष कमल वर्मा ने कहा कि लोक सेवा आयोग राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थान है। आयोग के जरिए सरकारी नौकरियों में भर्ती, चयन और नियमों के मुताबिक प्रमोशन की प्रक्रिया पूरी की जाती है। अध्यक्ष का पद खाली होने से आयोग के



कामकाज पर असर पड़ रहा है और कई जरूरी मामलों का निपटारा भी अटका हुआ है। संघ ने पत्र में कहा है कि लोक सेवा आयोग राज्य का अहम संवैधानिक संस्थान है। इसके जरिए सरकारी विभागों में भर्ती, चयन और प्रमोशन से जुड़ी प्रक्रियाएं पूरी होती हैं। ऐसे में आयोग के अध्यक्ष का पद लंबे समय तक खाली रहना ठीक नहीं है। इससे आयोग के रोजमर्रा के कामकाज और अटके हुए मामलों के निपटारे में देरी हो सकती है। संघ के मुताबिक, प्रमोशन में देरी होने से पात्र अधिकारियों और कर्मचारियों को समय पर आर्थिक लाभ और सेवा से जुड़े दूसरे फायदे नहीं मिल पाते। इसके अलावा, अलग-अलग विभागों में ऊंचे

पद खाली रहने से प्रशासनिक कामकाज पर भी असर पड़ सकता है। राजपत्रित अधिकारी संघ ने सरकार से मांग की है कि CGPSC में अध्यक्ष की नियुक्ति जल्द की जाए। इसके साथ ही आयोग में अटके प्रमोशन और दूसरे जरूरी मामलों का भी तय समय में निपटारा किया जाए। संघ का कहना है कि इससे अधिकारियों और कर्मचारियों को सेवा से जुड़े दूसरे फायदे नहीं मिल पाते। इसके अलावा, अलग-अलग विभागों में ऊंचे

CG तहसीलदार सस्पेंड: सीएम हेल्पलाइन में लापरवाही पर सीएम का चला हंटर

■ शिकायतों का निबटारा न होने पर तहसीलदार सस्पेंड

छ.ग.फ्रंटलाइन
रायपुर। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने पिपेरिया के तहसीलदार प्रमोद कुमार चन्द्रवंशी को निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय जिला कबीरधाम तय किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, सीएम हेल्पलाइन 1076 में राजस्व विभाग से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा के दौरान शिकायतों के निराकरण में प्रमोद कुमार चन्द्रवंशी, तहसीलदार द्वारा गंभीर लापरवाही एवं स्वेच्छाचारिता बरती गई है। **सिविल सेवा आचरण का उल्लंघन:** प्रमोद कुमार चन्द्रवंशी, तहसीलदार पिपेरिया, जिला कबीरधाम का उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 का स्पष्ट उल्लंघन है। इसलिए राज्य शासन ने प्रमोद कुमार चन्द्रवंशी, जिला



कबीरधाम को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9 (1) (क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित करता है। **जिला मुख्यालय में बैठना होगा:** निलंबन अवधि में प्रमोद कुमार चन्द्रवंशी, तहसीलदार का मुख्यालय जिला कबीरधाम (छ.ग.) निर्धारित किया जाता है। निलंबन अवधि में प्रमोद कुमार चन्द्रवंशी, तहसीलदार को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। **पहले भी पकड़े गए हैं तस्करी:** गौरतलब है कि, इससे पहले भी छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ और महासमुंद जिले में खैर

लकड़ी के अवैध कारोबार और फर्जी एनओसी से जुड़े मामले में अंतरराज्यीय लकड़ी तस्करी के आरोपी मनीष अग्रवाल के घर छापेमारी कर 81 लाख रुपये नकद बरामद किए गए थे। अब ताजा कार्रवाई में करोड़ों की नकदी और बड़ी मात्रा में लकड़ी की जब्ती ने इस अवैध कारोबार के व्यापक नेटवर्क को लेकर जांच तेज कर दी है।

संगठित अंतरराज्यीय गिरोह का मामला : एसपी

मामले पर महासमुंद पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बताया कि, खैर लकड़ी की तस्करी और फर्जी दस्तावेजों के जरिए अवैध कारोबार संचालित करने वाला यह एक संगठित अंतरराज्यीय गिरोह है। मामले में हिमाचल प्रदेश से मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर ट्रॉजिट रिमांड पर महासमुंद लाया गया है और उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस द्वारा तस्करी से अर्जित अवैध रकम, लकड़ी और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में जांच एवं जब्ती की कार्रवाई लगातार जारी है।

कृषि से समृद्धि की ओर बढ़ रहा छत्तीसगढ़



एल. डी. मानिकपुरी कोरिया। छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में खेती-किसानी का विशेष स्थान है। किसानों की खुशहाली प्रदेश की समृद्धि का आधार है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषि को अधिक लाभकारी बनाने, किसानों की आय बढ़ाने और खेती के लिए आवश्यक सुविधाओं के विस्तार पर ध्यान दे रही है। धान खरीदी, कृषक उन्नति योजना, फसल विविधीकरण, आधुनिक कृषि तकनीक और सिंचाई सुविधाओं के माध्यम से किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में धान खरीदी के लिए पंजीकृत किसानों की संख्या और पंजीकृत रकबे में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2015 में पंजीकृत किसानों की संख्या 13.17 लाख थी, जो वर्ष 2025-26 में बढ़कर 27.53 लाख हो गई। इसी अवधि में पंजीकृत रकबा 21.26 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 33 लाख हेक्टेयर पहुंच गया। वर्ष 2015 में

59 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन हुआ था। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 25 लाख 24 हजार से अधिक किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई। किसानों को समर्थन मूल्य के रूप में 33,431 करोड़ रुपये तथा होली पर्व से पहले आदान सहायता के रूप में 10,292 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। वर्ष 2026-27 के लिए प्रदेश में 360 नए धान खरीदी केंद्र खोलने का निर्णय भी लिया गया है। इससे किसानों को अपने नजदीक धान बेचने की सुविधा मिलेगी और परिवहन खर्च तथा समय की बचत होगी। किसान परिवार से आने वाले मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने किसानों के आर्थिक हितों को प्राथमिकता दी है। प्रति एकड़ 21 किंवदंतल तक धान खरीदी और समर्थन मूल्य के साथ कृषक उन्नति योजना की आदान सहायता मिलाकर 3,100 रुपये प्रति किंवदंतल की दर से भुगतान की व्यवस्था किसानों के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक सहारा बनी है।

पोषण, शिशु देखभाल और महिला सशक्तिकरण का संदेश लेकर आंगन मिलन कार्यक्रम आयोजित

छ.ग.फ्रंटलाइन
कोरिया। सेवा संकल्प अभियान के तहत शुक्रवार को मानस भवन, बैकुंठपुर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नौवें राष्ट्रीय पोषण माह एवं 'हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' कार्यक्रम के साथ आयोजित इस आयोजन में विधायक श्री भईयालाल राजवाड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मोहित पैकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती वन्दना राजवाड़े सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। यह आयोजन बच्चों के बेहतर पोषण, महिलाओं के स्वास्थ्य और आंगनबाड़ी सेवाओं के प्रति सामुदायिक भागीदारी की आवश्यकता को रेखांकित करता



है। गर्भवती महिलाओं की देखभाल से लेकर नवजात शिशुओं के पोषण, बालिकाओं की शिक्षा और महिलाओं की आत्मनिर्भरता तक, परिवार एवं समाज की सक्रिय भूमिका इन प्रयासों को प्रभावी बनाने के लिए जरूरी है। विधायक श्री भईयालाल राजवाड़े ने कहा, 'स्वस्थ बच्चे और सशक्त महिलाएं समृद्ध

समाज का आधार हैं। प्रत्येक परिवार को गर्भवती महिलाओं, माताओं और बच्चों के पोषण तथा स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। आंगनबाड़ी केंद्र हमारे गांव और मोहल्ले के बच्चों के विकास के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। इन्हें बेहतर बनाने में जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों और समाज के सभी वर्गों की भागीदारी जरूरी है।

छ.ग.फ्रंटलाइन

कोरिया। कलेक्टर श्रीमती रोक्मिता यादव के निर्देशन में आयोजित आवास जनचौपालों से जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लंबित आवासों के निर्माण में तेजी आई है। अधिकारियों और हितग्राहियों के बीच सीधे संवाद से निर्माण कार्यों को आगे बढ़ाने के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। बीते एक माह में जिले में 506 आवास पूर्ण हुए हैं। वहीं, बैकुंठपुर विकासखंड में 520 अप्रारंभ आवासों का निर्माण शुरू हुआ है तथा 720 से अधिक लंबे समय से रुके आवासों के निर्माण कार्य ने फिर गति पकड़ी है। प्रधानमंत्री

आवास योजना के अंतर्गत कोरिया जिले में बीते दो वर्षों में कुल 16 हजार 563 आवास स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से लगभग 74 प्रतिशत आवास पूर्ण हो चुके हैं और 12 हजार से अधिक हितग्राही अपने पक्के मकान बना चुके हैं। हालांकि, एक माह पूर्व तक लगभग 1500 ऐसे हितग्राही थे, जिन्होंने प्रथम किस्त मिलने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं किया था।

'कलेक्टर के निर्देश पर गांवों में पहुंची टीम'

कलेक्टर श्रीमती रोक्मिता यादव ने सितंबर माह में प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान अप्रारंभ और अधूरे आवासों के निर्माण में तेजी लाने

के निर्देश दिए थे। उन्होंने हितग्राहियों से निरंतर संवाद के लिए ग्राम पंचायतों में अधिक से अधिक जनचौपाल आयोजित करने पर पहल करने को कहा इसके बाद जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री योगेन्द्र श्रीवास तथा जिला एवं जनपद पंचायत की टीमों ने रोस्टर के अनुसार विभिन्न ग्राम पंचायतों में जनचौपाल आयोजित कीं। इन चौपालों में हितग्राहियों से सीधे चर्चा कर उन्हें आवास निर्माण शुरू करने और अर्धरे कार्य पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया गया। बीते एक माह में जिले में 30 से अधिक जनचौपाल आयोजित की गई हैं।

दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
सत्य के प्रति समर्पित

एजेंसी / वितरक की आवश्यकता

दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन को चिरमिरी, खड़गवा एवं भरतपुर क्षेत्रों के लिए एजेंट / वितरकों की आवश्यकता है।

इच्छुक व्यक्ति शीघ्र संपर्क करें।

संपर्क सूत्र: **7566950555**

पता: दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन, अंबिकापुर, जिला-सरगुजा (छत्तीसगढ़)

शत-प्रतिशत
अनुदान पर मिला
आलू बीज,
करीमा के किसान
की खेती को
मिली नई ताकत

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासन की योजनाएँ गाँव-गाँव तक पहुँचकर किसानों की खेती को नई ताकत दे रही हैं। इसकी एक मिसाल है कुसमी विकासखंड के ग्राम करीमा निवासी किसान श्री विजय सिंह, जिन्हें उद्यान विभाग की राज्यपोषित योजना का लाभ मिला है।

श्री रामप्रसाद के पुत्र श्री विजय सिंह को वर्ष 2025 में इस योजना के तहत एक एकड़ रकबे के लिए आलू बीज 100 प्रतिशत अनुदान पर प्रदान किया गया। बीज पर होने वाला पूरा खर्च शासन द्वारा वहन किए जाने से उन्हें खेती की लागत की चिंता से राहत मिली और वे बिना आर्थिक बोझ के आलू की खेती कर सके।

श्री रामप्रसाद के पुत्र श्री विजय सिंह ने उद्यान विभाग का आभार जताया। उन्होंने क्षेत्र के अन्य किसानों से भी अपील की कि वे आलू प्रदर्शन योजना से जुड़कर इसका लाभ उठाएँ। उनका मानना है कि ऐसी योजनाएँ छोटे किसानों के लिए उगत खेती की राह आसान बनाती हैं।

राज्यपोषित आलू प्रदर्शन योजना का उद्देश्य किसानों को उद्यानिकी फसलों की ओर प्रेरित करना और उन्नत बीज उपलब्ध कराकर उनकी आय के नए स्रोत तैयार करना है। श्री विजय सिंह जैसे किसानों का अनुभव बताता है कि शासन की सहायता सही हाथों तक पहुँचे तो खेती को आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बनाया जा सकता है।

विकासखण्ड शंकरगढ़ में कलेक्टर ने परखी योजनाओं की जमीनी हकीकत

★ कलेक्टर का 10 घंटे का मैराथन दौरा, कहीं सराहना तो कहीं सख्ती ★ गुणवत्ता से समझौता नहीं- कलेक्टर ने मौके पर रुकवाया सड़क निर्माण, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का मानदेय रोका ★ अंतिम छोर तक पहुंचा प्रशासन- कलेक्टर ने एक दिन में खंगालीं आंगनबाड़ी, सड़क, नल-जल और जनमन की व्यवस्थाएं ★ पतरापारा स्व-सहायता की समूह की दीदियों की खेती देख कलेक्टर ने की सराहना

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। योजनाएँ कागजों से निकलकर धरातल पर कितनी उतरी हैं, इसे स्वयं परखने के लिए कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने विगत दिवस शंकरगढ़ विकासखण्ड क्षेत्र का सघन दौरा किया। प्रातः 9 बजे जिला संयुक्त कार्यालय से शुरू हुआ यह मैराथन दौरा लगातार 10 घंटे चला और शाम 7 बजे पोड़ी खुर्द के आमपारा स्थित बहुदेशीय केन्द्र में संपन्न हुआ। शासन की मंशा के अनुरूप चल रहे सड़क व अधोसंरचना निर्माण, जल जीवन मिशन और जनकल्याणकारी योजना से मिले लाभ पर संतोष व्यक्त करते हुए श्री विजय सिंह ने उद्यान विभाग का आभार जताया। उन्होंने क्षेत्र के अन्य किसानों से भी अपील की कि वे आलू प्रदर्शन योजना से जुड़कर इसका लाभ उठाएँ। उनका मानना है कि ऐसी योजनाएँ छोटे किसानों के लिए उगत खेती की राह आसान बनाती हैं।

राज्यपोषित आलू प्रदर्शन योजना का उद्देश्य किसानों को उद्यानिकी फसलों की ओर प्रेरित करना और उन्नत बीज उपलब्ध कराकर उनकी आय के नए स्रोत तैयार करना है। श्री विजय सिंह जैसे किसानों का अनुभव बताता है कि शासन की सहायता सही हाथों तक पहुँचे तो खेती को आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बनाया जा सकता है।

राज्यपोषित आलू प्रदर्शन योजना का उद्देश्य किसानों को उद्यानिकी फसलों की ओर प्रेरित करना और उन्नत बीज उपलब्ध कराकर उनकी आय के नए स्रोत तैयार करना है। श्री विजय सिंह जैसे किसानों का अनुभव बताता है कि शासन की सहायता सही हाथों तक पहुँचे तो खेती को आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बनाया जा सकता है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का मानदेय रोकने तथा सीडीपीओ को आंगनबाड़ियों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बेलकोना के धारा नगर में

हरिनलेटा मार्ग पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत चल रहे सड़क एवं नाली निर्माण का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने सड़क की चौड़ाई, ढलान और एलाइनमेंट की बारीकी से पड़ताल की। गिट्टी का साइड अमानक पाए जाने पर उन्होंने मौके पर ही काम रुकवा दिया और कार्यपालन अभियंता से फोन पर बात कर संबंधित ठेकेदार को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अभियंता को स्वयं मौके पर पहुंचकर निर्माण का भौतिक परीक्षण करने और गुणवत्ता से समझौता किए बिना कार्य तय समय-सीमा में पूर्ण कराने को कहा। कलेक्टर ने दो

पहाड़ी कोरवा बाहुल्य ग्राम पतरापारा में एक आत्मीय पल भी देखने को मिला। यहां श्रीमती सोनिया शांडिल्य ने अपनी बाड़ी में उगे ताजे टमाटर कलेक्टर को उपहार में भेंट किए, तो कलेक्टर ने प्रतीक स्वरूप एक टमाटर स्वीकार कर उनके परिश्रम का मान बढ़ाया। ग्रामीणों की बाड़ियों में लहलहाती टमाटर व अन्य सब्जियों को देखकर कलेक्टर ने महिलाओं के अथक परिश्रम और कृषि कौशल की सराहना की। एनआरएलएम के ब्लॉक प्रोजेक्ट मैनेजर ने बताया कि क्षेत्र में 18 स्व-सहायता समूह टमाटर की खेती कर रहे हैं, जिससे 108 सदस्य लाभान्वित हो रहे हैं। सब्जी उत्पादन से जुड़ी इन

महिलाओं में अधिकांश लखपति दीदी बन चुकी हैं और शेष भी इस लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही हैं। टमाटर के अलावा क्षेत्र में मिर्च, सेम और गोभी की खेती भी की जा रही है।

स्थिति जानने कलेक्टर शंकरगढ़ के मानपुर गांव में श्री निर्मल सोनवानी के घर पहुंचीं और वहां लगे नल का अवलोकन कर परिवार से पानी की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने सब इंजीनियर को प्रत्येक घर तक शत-प्रतिशत जल आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा जहां कमीयां हैं, वहां शीघ्र सुधार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना प्राथमिकता है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

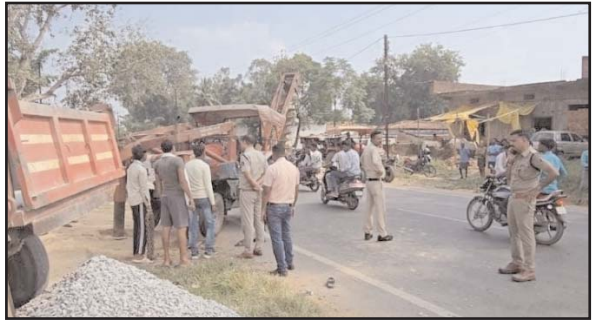
इस मैराथन दौरे में कलेक्टर ने एकपीओ (किसान उत्पादक संगठन) के तहत संचालित कृषि सेवा केन्द्र राजपुर, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय राजपुर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पहाड़ी कोरवा कन्या शिक्षा आवासीय परिसर तथा कुंदी खुर्द एवं हरिजन पारा आंगनबाड़ी केंद्रों का भी जायजा लिया। दौरा समापन जिले के अंतिम छोर पर पीएम जनमन योजना के तहत स्थापित आमाकोना बहुदेशीय केन्द्र में हुआ, जहां उन्होंने केन्द्र में संचालित आंगनबाड़ी और स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान एसडीएम श्री विवेक अनमोल टोपो, जनपद सीईओ श्री संजय दुबे व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत चिन्हित इसी ग्राम में कलेक्टर ने पहाड़ी कोरवा परिवारों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं और एसडीएम व जनपद सीईओ को समस्याओं को चिन्हित कर त्वरित समाधान की पहल करने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्र में कृषि विस्तार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, आंगनबाड़ी हेतु परिवारों का सर्वे करार प्रस्ताव शासन को भेजने तथा पानी और बिजली की व्यवस्था पुख्ता करने को कहा। कलेक्टर ने वहां मौजूद बच्चों से आत्मीय संवाद कर उन्हें नियमित स्कूल जाने के लिए प्रेरित भी किया। जल जीवन मिशन की वास्तविक

प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत चिन्हित इसी ग्राम में कलेक्टर ने पहाड़ी कोरवा परिवारों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं और एसडीएम व जनपद सीईओ को समस्याओं को चिन्हित कर त्वरित समाधान की पहल करने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्र में कृषि विस्तार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, आंगनबाड़ी हेतु परिवारों का सर्वे करार प्रस्ताव शासन को भेजने तथा पानी और बिजली की व्यवस्था पुख्ता करने को कहा। कलेक्टर ने वहां मौजूद बच्चों से आत्मीय संवाद कर उन्हें नियमित स्कूल जाने के लिए प्रेरित भी किया। जल जीवन मिशन की वास्तविक

प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत चिन्हित इसी ग्राम में कलेक्टर ने पहाड़ी कोरवा परिवारों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं और एसडीएम व जनपद सीईओ को समस्याओं को चिन्हित कर त्वरित समाधान की पहल करने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्र में कृषि विस्तार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, आंगनबाड़ी हेतु परिवारों का सर्वे करार प्रस्ताव शासन को भेजने तथा पानी और बिजली की व्यवस्था पुख्ता करने को कहा। कलेक्टर ने वहां मौजूद बच्चों से आत्मीय संवाद कर उन्हें नियमित स्कूल जाने के लिए प्रेरित भी किया। जल जीवन मिशन की वास्तविक

केशवनगर में ट्रैक्टर की चपेट में आने से छात्रा की मौत



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन विश्रामपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर ग्राम पंचायत केशवनगर बड़कापारा में ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार 13

ट्रैक्टर क्रमांक सीजी 15 सीक्यू 5992 के चालक ने वाहन मोड़ दिया, इससे पिता-पुत्री की बाइक ट्रैक्टर से टकरा गई। इस दौरान बाइक क्रमांक सीजी 15



सीसी 0655 से अनियंत्रित होकर सड़क पर गिरी रिद्धिमा जैन का सिर ट्रैक्टर के पहियों के नीचे आ गया और कुचल जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में पिता को भी हल्की चोटें आई हैं। हालांकि पिता व अन्य लोगों द्वारा उसे तत्काल

वर्षीय छात्रा रिद्धिमा जैन की मौत हो गई है। इससे उसके परिजन व स्कूल में शोक का माहौल हो गया है। विश्रामपुर पुलिस ने बताया कि सुरजपुर नवापारा निवासी छात्रा रिद्धिमा जैन अपने पिता एलआईसी एजेंट पंकज कुमार जैन के साथ बाइक पर सवार होकर पेरेंट्स मीटिंग में शामिल होने शुक्रवार की सुबह सुरजपुर से विश्रामपुर कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल आई थीं। दोपहर करीब 12 बजे पेरेंट्स मीटिंग में शामिल होकर स्कूल से लौटने के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर ग्राम पंचायत केशवनगर बड़कापारा में गिट्टी लोड ट्रैक्टर को क्रॉस कर ही रहे थे कि अचानक

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विश्रामपुर ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर बाइक को टक्कर मारने के बाद ट्रैक्टर सड़क किनारे स्थित मकान में घुस गया, जिसे क्रेन के माध्यम से पुलिस ने निकलवाकर जब्त कर लिया है। सूचना पर विश्रामपुर थाना प्रभारी निरीक्षक की सुबह सुरजपुर से विश्रामपुर दलबल के साथ मौके पर पहुंच विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा फिलहाल ट्रैक्टर वाहन को जब्त कर लिया है। दुर्घटना की खबर जैसे ही सुरजपुर स्थित छात्रा के गृहग्राम पहुंची, वहां मां समेत अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।

मृत्युकालीन कथन में वीडियो रिकॉर्डिंग को दें प्राथमिकता, न्यायालय में बनी रहेगी साक्ष्य की विश्वसनीयता : एसपी

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैकर ने कलेक्ट्रेट कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के कार्यपालक मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीकारियों एवं चिकित्सा अधिकारियों की बैठक लेकर मृत्युकालीन कथन लेखबद्ध करने की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की विस्तृत जानकारी दी। यह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा याचिका प्रकरण रमेश चक्रधारी विरुद्ध छत्तीसगढ़ शासन में पारित आदेश तथा शासन के निर्देशों के पालन में आयोजित की गई थी।

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट कहा कि गंभीर रूप से घायल या पीड़ित व्यक्ति के मामले में सबसे पहले उसके उपचार को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही कथन की



विश्वसनीयता न्यायालय में बनी रहे, इसके लिए यथासंभव उसकी ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग को भी प्राथमिकता से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि मृत्युकालीन कथन को न्यायालय लेस साक्ष्य मानता है, इसलिए इसे सही और निष्पक्ष रूप से दर्ज करना अपराधी को सजा दिलाने में निर्णायक होता है। इसकी प्रक्रिया भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 की धारा 26(ए) तथा सर्वोच्च न्यायालय के

निर्देशों के तहत निर्धारित है। बैठक में एसओपी के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया गया कि सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी या चिकित्सक, क्षेत्रीय मजिस्ट्रेट को तत्काल सूचित करें, जबकि पीड़ित की हालत अत्यंत नाजुक होने पर चिकित्सक या पुलिस अधिकारी स्वयं कथन दर्ज कर

सकते हैं। कथन से पहले और उसके बाद ड्यूटी डॉक्टर से पीड़ित की मानसिक स्थिति का लिखित प्रमाणपत्र लेना अनिवार्य है। पीड़ित पर किसी प्रकार का दबाव या बहकावा न हो, इसके लिए कथन के दौरान रिश्तेदारों, परिचितों और पुलिसकर्मियों को कक्ष से बाहर रखा जाएगा। कथन प्रश्न-उत्तर के रूप में पीड़ित के सटीक शब्दों और उसकी अपनी भाषा-बोली में दर्ज होगा, तथा बोलने में असमर्थ होने पर उसके इशारों को भी अंकित किया जाएगा। कथन पूरा होने पर उसे पीड़ित को पढ़कर सुनाया जाएगा और उसके हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान लिया जाएगा, वहीं कथन दर्ज करने वाले अधिकारी एवं चिकित्सक तिथि व समय सहित हस्ताक्षर करेंगे।

पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों से एसओपी का अक्षरशः पालन करने को कहा, ताकि पीड़ित को समय पर उपचार के साथ न्याय भी सुनिश्चित हो सके।

जिला स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस में 112 बाल वैज्ञानिकों ने प्रस्तुत किए नवाचार आधारित लघु शोध

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। स्वामी आत्मानंद उल्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय बलरामपुर में जिला स्तरीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस (सम्मेलन) 2026 का आयोजन किया



गया। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना विकसित करना और उन्हें विज्ञान व नवाचार के माध्यम से स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए प्रेरित करना है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा निर्धारित मुख्य विषय 'साइंस एंड इन्वेंशन फॉर सस्टेनेबिलिटी' के

पाँच उपविषयों पर केंद्रित इस सम्मेलन में जिले के विभिन्न विद्यालयों के 112 विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए नवाचार आधारित प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। सीनियर वर्ग में

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रनहत की कुमारी रोशनी सिंह ने 'जैविक नियंत्रण' प्रोजेक्ट के लिए प्रथम, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शंकरगढ़ की अनुष्का ने 'कृषि एवं स्वास्थ्य' के लिए द्वितीय तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केरता के पंकज कुमार ने 'फूड, हेल्थ एवं आयुर्वेद' प्रोजेक्ट के लिए तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग में

सेजेस अंग्रेजी माध्यम विद्यालय रामानुजगंज की इति दुबे 'फ्यूचर ऑफ डिसेलिनेशन' प्रोजेक्ट के साथ प्रथम तथा पूर्व माध्यमिक शाला बादो, विकासखंड राजपुर की नीतू सिंह 'पोषणयुक्त खाद्य पदार्थ का उत्पादन' प्रोजेक्ट के साथ द्वितीय स्थान पर रही। निर्णायकों ने सभी प्रतिभागियों के प्रोजेक्ट की सराहना की। कार्यक्रम के आयोजक श्री रविशंकर श्रीवास ने बताया कि जिले के विद्यार्थियों में विज्ञान गतिविधियों के प्रति रुझान लगातार बढ़ रहा है। जिला स्तर पर चयनित प्रतिभागी 20 एवं 21 नवंबर 2026 को पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक सम्मेलन में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। विद्यालय के प्राचार्य श्री चंद्रशेखर प्रसाद गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जनपद पंचायत राजपुर के सभाकक्ष में विगत दिवस मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संजय कुमार दुबे की अध्यक्षता में वीबी-जी राम जी, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी ग्राम पंचायत सचिवों एवं रोजगार सहायकों के कार्यों की बिंदुवार समीक्षा हुई। सहायक परियोजना अधिकारी (मनरेगा) एवं सहायक विस्तार अधिकारी ने वीबी-जी राम जी तथा आवास प्रभारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की प्रगति प्रस्तुत की। सीईओ श्री दुबे ने तकनीकी अमले एवं ग्राम पंचायत स्तर के कर्मचारियों को निर्देशित किया कि शासन की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ किया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ



मिल सके। बैठक में वीबी-जी राम जी के अंतर्गत श्रमिकों की उपस्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही ब्लॉक, सड़क किनारे एवं स्कूल बाउंड्री में वृक्षारोपण तथा बोल्टर चेक, कट्टर ट्रेंच और गली प्लग जैसे नवीन कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। आवास योजनाओं की समीक्षा में

अप्रारंभ आवासों को शीघ्र शुरू करने, प्रधानमंत्री आवास एवं पीएम जनमन आवासों को पूर्ण करने तथा मुख्यमंत्री आवास योजना की प्रगति पर चर्चा हुई। निरस्त जनमन आवासों की राशि वापसी, भूमि विवाद वाले पीडब्ल्यूएल आवासों के प्रस्ताव, नवीन जनमन सर्वे हेतु पहाड़ी कोरवा हितग्राहियों के दस्तावेज, पीएम जनमन

मदन नगर खदान प्रभावित ग्रामीणों से कलेक्टर ने किया सीधा संवाद, 22 अक्टूबर को गांव में ही सुनी जाएंगी समस्याएं

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। मदन नगर खुली खदान परियोजना के अंतर्गत ग्राम चौरा में आयोजित प्री-डीआरसी (प्री-डिस्ट्रिक्ट रिहैबिलिटेशन कमेटी) बैठक में

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर भूमि अधिग्रहण से जुड़ी उनकी समस्याओं और मांगों को विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी क्रम में आगामी 22 अक्टूबर को ग्राम में ही बैठक आयोजित कर उनका मांगों को विस्तारपूर्वक सुना जाएगा तथा नियमानुसार संभव सभी कार्यों के लिए आवश्यक पहल की जाएगी। बैठक में कुछ ग्रामीणों ने भूमि सीमांकन,

बंटवारा एवं नामांतरण के लंबित प्रकरणों की जानकारी दी। इस पर कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को ग्राम में शिफर लगाकर इन प्रकरणों का निराकरण करने



तथा संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को अनावश्यक परेशानी न हो। एसईसीएल के महाप्रबंधक श्री मनीष श्रीवास्तव ने भूमि अधिग्रहण के पश्चात मिलने वाले मुआवजे

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैकर, अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, तहसीलदार राजपुर, ग्राम के सरपंच, सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

शिक्षा और संस्कृति के संरक्षण से सशक्त होगा आदिवासी समाज- पोया

रामेश्वरम में शुरू हुआ आदिवासी युवा प्रशिक्षण शिविर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ग्राम रामेश्वरम में पाँच दिवसीय आवासीय आदिवासी युवा संवैधानिक एवं कैरियर मार्गदर्शन प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ शुक्रवार को पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हुआ। 16 से 20 अक्टूबर तक आयोजित इस शिविर के प्रथम दिन प्रकृति शक्ति बड़ादेव की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

पूजा-अर्चना गांव के बैगा रामदेव सिंह उरें एवं भूमका पुजारी संत कुमार मरकाम ने सम्पन्न कराई। शिविर के मास्टर ट्रेनर एवं कार्यक्रम मार्गदर्शक सोशल एक्टिविस्ट बीपीएस पोया ने प्रथम सत्र में गोदूल के महत्व, आदिवासी संस्कृति, शिक्षा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य सरगुजा संभाग के ग्रामीण आदिवासी क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं एवं युवाओं को कैरियर मार्गदर्शन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी,

रोजगार के अवसरों और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करना है। यह पहल पिछले कई वर्षों से आदिवासी युवाओं के शैक्षणिक एवं सामाजिक विकास के उद्देश्य से की जा रही है। श्री पोया ने कहा कि गोदूल आदिवासी समाज में युवाओं की शिक्षा, ज्ञान, अनुशासन, सामाजिक जीवन और पारंपरिक मूल्यों का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। वर्तमान समय में गोदूल की अवधारणा को वैज्ञानिक एवं प्रकृतिवादी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि



गांवों में गोदूल की शुरुआत की जा रही है और भविष्य में प्रत्येक गांव में गोदूल की स्थापना कर युवाओं को शिक्षा, संस्कृति, सामाजिक जागरूकता तथा नेतृत्व

विकास से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। प्रथम दिन के मास्टर ट्रेनर बिरसा मुंडा झारखंड ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में शिक्षा ग्रहण करना सबसे

महत्वपूर्ण कार्य है। शिक्षा के साथ अपनी आदिवासी पहचान, संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण करना भी आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ने, अपने अधिकारों को समझने और अपनी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने का आह्वान किया। सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग, रामानुजनगर के ब्लॉक अध्यक्ष गुलाब सिंह नेताम ने बताया कि शिविर के आगामी सत्रों में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए छत्तीसगढ़

सहित अन्य राज्यों के अनुभवी मास्टर ट्रेनरों को आमंत्रित किया गया है। शिविर में पेसा कानून, ग्रामसभा की शक्तियों, वन अधिकार अधिनियम, संवैधानिक अधिकारों, कैरियर निर्माण और आत्मरक्षा जैसे विषयों पर युवाओं को जानकारी देने पर विशेष जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण आदिवासी युवाओं को जागरूक, शिक्षित, आत्मनिर्भर और नेतृत्वक्षम बनाना है, ताकि वे अपने समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकें। प्रशिक्षण

शिविर में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से छात्र-छात्राओं एवं युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में राहुल राठिया रायगढ़, गौरीशंकर सिंह नेताम, गणपत सिंह मरावी, रामदेव सिंह उरें, देव कुमार, सोहन सिंह पोते, सोनू सिंह मरकाम, नहर सिंह, मोतीलाल उरें, लल्लू रावेन मरावी, धन कुमार पोते, उपेंद्र सिंह, देव साय बैगा, जयकरन सिंह टेकाम वीरेंद्र सिंह, दीपक सिंह मरावी, जितेंद्र सिंह मरावी, टेकमनिया, लक्ष्मी एवं इंद्रकुवर सहित सामाजिक कार्यकर्ता और युवा उपस्थित रहे।

चौथे दिन भी पटवारियों की हड़ताल जारी



पीवीएफ की तकनीकी समस्याओं के निराकरण, ववेटन विसंगति दूर करने और पदोन्नति की मांग को लेकर पटवारी संघ ने सौंपा था ज्ञापन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

वाड्फनगर - राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ के आह्वान पर पटवारियों की हड़ताल लगातार चौथे दिन भी जारी है। पटवारी संघ ने पीवीएफ के माध्यम से फसलों के भौतिक सत्यापन में आ रही व्यावहारिक एवं तकनीकी समस्याओं का निराकरण नहीं होने तथा पटवारियों के खिलाफ की जा रही दंडात्मक कार्रवाई को लेकर नाराजगी जताई है। इस संबंध में

संघ ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), वाड्फनगर व क्लेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया है। ज्ञापन में बताया गया है कि पीवीएफ के माध्यम से फसल सत्यापन के दौरान आ रही समस्याओं के संबंध में पूर्व में भी शासन एवं विभाग को अवगत कराया गया था, लेकिन अब तक इनका कोई ठोस और व्यावहारिक समाधान नहीं किया गया है। संघ का कहना है कि पटवारी वर्तमान में डिजिटल क्रांप सर्वे, एग्रीस्टैक पंजीयन, किसान पंजीयन, फसल बीमा क्लेम, जनगणना के प्रथम चरण, लघु सिंचाई संगणना, रेलवे एवं राष्ट्रीय राजमार्ग सर्वे, आय-जाति-निवास

प्रमाण पत्र, स्वामित्व योजना और सेवा संकल्प शिविर सहित अनेक महत्वपूर्ण कार्यों का निषादन कर रहे हैं। इसके बावजूद पीवीएफ की समस्याओं के चलते इसके बहिष्कार को लेकर पटवारियों के विरुद्ध स्थानांतरण, कारण बताओ नोटिस और निलंबन जैसी कार्रवाई किए जाने पर संघ ने कड़ी आपत्ति जताई है। संघ ने ऐसी कार्रवाइयों को अनुचित बताया है एवं संबंधित आदेशों को तत्काल निरस्त करने की मांग की है। वेतन विसंगति दूर करने और पदोन्नति की मांग :- पटवारी संघ ने अपनी वर्षों से लंबित वेतन विसंगति को दूर करने तथा पदोन्नति के

अधिकार पर शीघ्र सकारात्मक पहल करने की मांग भी उठाई है। साथ ही, संघ ने वेतन विसंगति और पदोन्नति से जुड़े मामलों को लंबित रखने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

मांगें पूरी नहीं होने पर अनिश्चितकालीन आंदोलन की चेतावनी:

ज्ञापन में स्पष्ट किया गया है कि यदि समस्याओं का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया, तो राजस्व पटवारी संघ के सदस्य 13 अक्टूबर 2026 से अनिश्चितकालीन आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। संघ ने कहा है कि ऐसी स्थिति में इसकी समस्त जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। फिलहाल पटवारियों की हड़ताल जारी रहने से राजस्व संबंधी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। अब देखना होगा कि शासन-प्रशासन पटवारी संघ की मांगों पर क्या कदम उठाता है।

देखने की उत्सुकता, जानने का रोमांच और सीखने का जुनून, चट्टीडांड के बच्चों का अनोखा सफर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कभी आस्था के भाव, कभी नई चीजों को जानने की उत्सुकता, तो कभी कारीगरों के हुनर को देखकर चेहरे पर खिलती मुस्कान, शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड के बच्चों के लिए नवरात्रि के अवसर पर आयोजित शैक्षणिक भ्रमण महज एक यात्रा नहीं, बल्कि अनुभव, रोमांच और ज्ञान से भरपूर सीखने का अनूठा अवसर बन गया। प्रधान पाठक गौतम शर्मा और शिक्षिका मंजू कुजूर के मार्गदर्शन में बच्चों ने केनापाड़ा स्थित मां समलेश्वरी महामाया मंदिर में दर्शन किए और मंदिर परिसर में तैयार हो रहे रावण के पुतले को देखकर उसके निर्माण की बारीकियों को करीब से जाना। नवरात्रि के पावन वातावरण में मां समलेश्वरी के दर्शन कर बच्चों ने धार्मिक आस्था, स्थानीय संस्कृति और



परंपराओं से जुड़ने का अनुभव प्राप्त किया। लेकिन इस भ्रमण का रोमांच यहीं नहीं थमा। मंदिर परिसर में दशहरा पर्व की तैयारियों के बीच आकार ले रहे रावण के पुतले ने बच्चों की जिज्ञासा को नई उड़ान दे दी। बांस के ढांचे, उसे जोड़ने की तकनीक और पुतले को विशाल आकार देने की प्रक्रिया देखकर बच्चों के मन में एक के बाद एक सवाल उठने लगे। बच्चों के लिए भ्रमण का सबसे दिलचस्प पड़ाव रावण निर्माण स्थल रहा।

यहां उन्होंने कारीगरों को बांस से ढांचा तैयार करते और अपनी कुशलता से पुतले को आकार देते हुए देखा। बच्चों ने जाना कि रावण का पुतला बनाने में किन सामग्रियों का उपयोग किया जाता है, बांस के ढांचे को किस तरह जोड़ा जाता है और किस प्रकार मेहनत, अनुभव तथा कलात्मक कौशल से एक विशाल आकृति तैयार होती है। कारीगरों के हाथों में बांस को आकार लेते देख बच्चों को हस्तकला और रचनात्मकता का

प्रत्यक्ष अनुभव मिला। जो बातें उनके लिए अब तक केवल कल्पना या सामान्य जानकारी का हिस्सा थीं, वे आंखों के सामने साकार हो रही थीं। यही अनुभव इस शैक्षणिक भ्रमण को रोचक, रोमांचक और यादगार बनाने वाला साबित हुआ। प्रधान पाठक गौतम शर्मा ने बताया कि इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य बच्चों को विद्यालय की चारदीवारी से बाहर निकालकर वास्तविक परिवेश से सीखने के अवसर उपलब्ध कराना है। जब बच्चे किसी वस्तु को स्वयं देखते हैं, उसकी प्रक्रिया को समझते हैं और अपने सवालों के जवाब खोजते हैं, तो उनका सीखना अधिक सहज, प्रभावी और स्थायी बनता है। उन्होंने आगे बताया कि इस तरह की गतिविधियां बच्चों में अवलोकन क्षमता, तार्किक चिंतन, सवाल पूछने की आदत और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करती हैं।

एसईसीएल सुरक्षा प्रहरी के प्रथम बैच का प्रशिक्षण पूर्ण, 33 प्रशिक्षु हुए प्रशिक्षित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर - साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) में आयोजित हाएसईसीएल सुरक्षा प्रहरी - बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम बैच का समापन समारोह आज मानव संसाधन संस्थान, इंदिरा विहार, बिलासपुर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरेंची दास उपस्थित रहे। प्रथम बैच के 33 प्रशिक्षुओं ने लगभग एक माह का



बुनियादी प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण किया। 16 सितंबर से 15 अक्टूबर 2026 तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं को कंपनी की नीतियों

एवं नियमों, सुरक्षा संबंधी प्रक्रियाओं, हथियार संचालन तथा शारीरिक एवं मानसिक दक्षता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसका उद्देश्य

सुरक्षा प्रहरियों को आवश्यक कौशल, अनुशासन, सतर्कता एवं कर्तव्यनिष्ठा से सुसज्जित करना है। अपने संबोधन में निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरेंची दास ने प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए कहा, ह्रवदी कोई सामान्य वस्त्र नहीं, आपकी पहचान है, आपके चरित्र, अनुशासन और उत्तरदायित्व का प्रतीक है। उन्होंने प्रशिक्षुओं से अपने आचरण में संयम, व्यवहार में शालीनता तथा निर्णयों में विवेक बनाए रखने का आह्वान किया। प्रशिक्षण के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

करने वाले प्रशिक्षुओं को मुख्य अतिथि श्री बिरेंची दास द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (मा.सं./सुरक्षा) श्री सुवंकर परिड़ा, महाप्रबंधक (एच.आर.डी.) श्री बी.सी. सेठी, सुरक्षा प्रमुख लेफ्टिनेंट कमांडर बी. दक्षिणामूर्ति, अधिकारी, प्रशिक्षक एवं अन्य सहयोगी उपस्थित रहे। एसईसीएल सुरक्षा प्रहरी कार्यक्रम कंपनी की सुरक्षा व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, सतर्क एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

108 एंबुलेंस में गर्भवती महिला का सुरक्षित प्रसव, EMT संजय कुमार यादव ने निभाई अहम भूमिका

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

वाड्फनगर। 108 एंबुलेंस सेवा के कर्मचारियों की तत्परता और सूझबूझ से रास्ते में ही एक गर्भवती महिला का सुरक्षित प्रसव कराया गया। प्रसव के बाद जच्चा और नवजात बच्ची को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना में मां और बच्ची दोनों सुरक्षित रहे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देर रात करीब 10 बजे सिविल अस्पताल वाड्फनगर से प्रसव पीड़ा एवं रक्तस्राव से पीड़ित गर्भवती महिला को मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर रेफर किया गया था। महिला को 108 एंबुलेंस के माध्यम से अंबिकापुर ले जाया



जा रहा था। इसी दौरान चंदौरा के पास रास्ते में महिला की प्रसव पीड़ा बढ़ गई और प्रसव की स्थिति बन गई। परिस्थिति की गंभीरता को देखते हुए एंबुलेंस के एटल संजय कुमार यादव एवं पायलट ने एंबुलेंस को सुरक्षित स्थान पर रोका। एटल संजय कुमार यादव ने आवश्यक सावधानियां बरतते

हुए एंबुलेंस के भीतर ही सामान्य प्रसव कराया। रात 11 बजकर 55 मिनट पर महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया। प्रसव के बाद एटल ने निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार महिला के रक्तस्राव को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक देखभाल की और ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन दिया। वहीं, नवजात बच्ची की सक्शन, उसे सुखाने तथा गर्म रखने जैसी आवश्यक देखभाल भी की गई। इसके बाद जच्चा और नवजात को आगे के उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना में 108 एंबुलेंस सेवा के एटल और पायलट की तत्परता एवं जिम्मेदारी की सराहना की जा रही है।

मन जागृति अभियान' में स्नेह संबल वृद्धाश्रम को मिला जिला स्तरीय सम्मान



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। आज की भागदौड़ भरी और एकाकी होती जीवनशैली में मानसिक स्वास्थ्य एक गंभीर सामाजिक चुनौती बनकर उभरा है, जहां अपनों से अलगाव बुजुर्गों को गहरे अवसाद और भावनात्मक संकट की ओर धकेल देता है। ऐसे संवेदनशील दौर में शबरी सेवा संस्थान, छत्तीसगढ़ द्वारा संचालित 'स्नेह संबल वृद्धाश्रम उपेक्षित और बेसहारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए केवल एक आश्रय स्थल नहीं, बल्कि मानसिक संबल और गरिमापूर्ण पुनर्वास का सशक्त केंद्र

बनकर उभरा है। इसी उल्लेखनीय योगदान को रेखांकित करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में, जिला चिकित्सालय सभागार में आयोजित राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत 'मन जागृति अभियान' में आश्रम को जिला स्तरीय प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया, जिसे संस्थान की अधीक्षक श्रीमती पायल गुप्ता ने ग्रहण किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा जिला नोडल अधिकारी द्वारा प्रदान किए गए इस सम्मान के दौरान अधिकारियों ने

रेखांकित किया कि समाज कल्याण विभाग के मार्गदर्शन में श्रीमती पायल गुप्ता द्वारा समाज के अंतिम छोर पर खड़े बुजुर्गों को पारिवारिक आत्मीयता, चिकित्सीय देखरेख और मानसिक शांति प्रदान करने की यह अवसर पहल पूरे समाज के लिए अनुरूपणीय नजदी है, जिस पर आधार व्यक्त करते हुए श्रीमती गुप्ता ने कहा कि यह सम्मान उन बेसहारा बुजुर्गों के आशीर्वाद और टीम के समर्पण का फल है, जिनका उद्देश्य समाज से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी झिझक व भ्रांतियों को मिटाकर हर उपेक्षित चेहरे पर मुस्कान और आत्मसम्मान लौटाना है।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
शीतला मंदिर से बस स्टैंड तक गुंजे माता रानी के जयकारे

सूरजपुर। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रतापपुर में धर्म जागरण समन्वय के तत्वावधान में पहली बार विशाल चुनरी यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। माता रानी की भक्ति, श्रद्धा और धार्मिक आस्था से सराबोर इस यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। शीतला मंदिर से प्रारंभ हुई चुनरी यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए बस स्टैंड स्थित मां दुर्गा पूजा स्थल तक पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने माता रानी को चुनरी अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे मार्ग में माता रानी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। महिलाओं, युवाओं और पुरुषों की बड़ी भागीदारी ने आयोजन को विशेष बना दिया। धर्म जागरण



समन्वय द्वारा आयोजित इस यात्रा का उद्देश्य समाज को धर्म, संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना तथा लोगों में धार्मिक एवं सामाजिक जागरूकता बढ़ाना रहा। आयोजकों के अनुसार, इस तरह के आयोजन समाज में एकता, सहयोग और सामूहिक सहभागिता की भावना को मजबूत करते हैं। प्रतापपुर के साथ आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। माताएं और बहनें श्रद्धापूर्वक चुनरी यात्रा

में शामिल हुईं और माता रानी के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। चुनरी यात्रा की शुरुआत शीतला मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद श्रद्धालु माता रानी की चुनरी लेकर नगर के प्रमुख मार्गों से आगे बढ़े। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भक्ति भाव में लीन नजर आए। जगह-जगह लोगों ने स्वागत और सहयोग के माध्यम से यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया। फूल-मालाओं से स्वागत किया गया और सेवा भाव के साथ

पानी सहित आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था में भी सहयोग दिया गया। यात्रा के अंतिम पड़ाव पर बस स्टैंड स्थित मां दुर्गा पूजा स्थल में माता रानी को चुनरी अर्पित की गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर परिवार, समाज और क्षेत्र की। आयोजकों ने बताया कि चुनरी यात्रा का प्रमुख उद्देश्य समाज को धर्म की मूल भावना से जोड़ना, धार्मिक परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों में आपसी सहयोग की भावना विकसित करना है। नवरात्रि जैसे पावन पर्व पर इस तरह के आयोजन नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, पूजा-पाठ और धार्मिक परंपराओं से परिचित कराने का भी माध्यम बनते हैं। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए पानी की व्यवस्था तथा भंडारे के रूप में प्रसाद वितरण किया गया। सेवा कार्य में सहयोग देने वाले लोगों ने अपनी सहभागिता से आयोजन को

सफल बनाने में योगदान दिया। नगर में धार्मिक उत्साह और श्रद्धालुओं की भागीदारी को देखते हुए आयोजन को लेकर लोगों में खास प्रसन्नता दिखाई दी। कार्यक्रम में देवानंद पाण्डेय, सतीश महाराज, दीपक राम, संभाग पूर्णकालिक हरिशंकर गुप्ता, मुकेश कुमार गुप्ता, फलेश्वर यादव, गुलाब मोहन तिवारी, रिकू नाविक, शिवचरण नापित, रामानंद गुप्ता, महेश गोस्वामी, लालती सिंह, सीता बाखला, शिवराम लाल, बहादुर गुप्ता, अजीत शरण सिंह, दीपक दुबे, भंवर नंदन, संदीप रजक, संतोष गुप्ता, जयप्रकाश देवांगन, शुक्रतला गुप्ता, नेहा, अवधेश पांडे, प्रफुल्ल गुप्ता, राजाराम, आशीष गोयल, शुभम गुप्ता, कौशल दुबे, दीपक और प्रदीप यादव सहित अन्य श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों की सहभागिता रही।

सम्पादकीय

दीपावली से पहले लोगों की झोली में आएगा धन

दीपावली से पहले केंद्र सरकार के फैसलों ने लाखों परिवारों की झोली में अतिरिक्त धन और राहत की उम्मीद जगाई है। रेलवे के 11.40 लाख कर्मचारियों को 78 दिन का बोनस, दिव्यांगों की पेंशन का दायारा बढ़ाने और सामाजिक सहायता योजनाओं को 5 साल तक जारी रखने की मंजूरी त्योहार की खुशियों को आर्थिक संबल देने वाली पहल है। बोनस से कर्मचारियों की जेब में पैसा आएगा, बाजार में मांग बढ़ेगी और जरूरतमंदों को पेंशन के सहारे का भरोसा मिलेगा। त्योहार के इस मौसम में इन फैसलों का संदेश साफ है। खुशियां तथा व्यापक होंगी, जब आर्थिक राहत का लाभ मेहनतकशों से लेकर समाज के कमजोर वर्गों तक पहुंचेगा। त्योहार से पहले मिलने वाला बोनस या आर्थिक सहायता केवल रकम नहीं, बल्कि परिवार की जरूरतों को पूरा करने और खुशियों को साझा करने का अवसर है। सरकार का रेलवे कर्मचारियों को बोनस देने का फैसला इसी लिहाज से महत्वपूर्ण है। करीब 2,009 करोड़ रुपये के कुल व्यय से जुड़ी इस मंजूरी के तहत पात्र कर्मचारियों को अधिकतम 17,951 रुपये तक बोनस मिल सकता है। यह राशि घर की जरूरतें पूरी करने, बच्चों के लिए सामान खरीदने और त्योहार की तैयारियों में काम आ सकती है। अतिरिक्त धन कर्मचारियों की क्रयशक्ति बढ़ाएगा तो इसका सकारात्मक असर बाजार पर भी पड़ेगा। त्योहारों में बड़ी मांग छोटे दुकानदारों, कारोबारियों और स्थानीय उत्पादकों के लिए भी अवसर पैदा करती है। इस तरह कर्मचारियों की जेब में पहुंचने वाला पैसा अर्थव्यवस्था में आगे बढ़कर कई दूसरे वर्गों तक लाभ पहुंचाएगा। सरकार का दूसरा अहम फैसला दिव्यांगों की पेंशन से जुड़ा है। पेंशन के लिए बेंचमार्क दिव्यांगता की सीमा 80 प्रतिशत से घटाकर 40 प्रतिशत करने से पात्रता की शर्तें पूरी करने वाले अधिक लोग योजना के दायरे में आ सकेंगे। जन्म से पात्र दिव्यांगों को भी पेंशन का लाभ देने की व्यवस्था महत्वपूर्ण है। दिव्यांगता के साथ जीवन बिताने वाले लोगों और उनके परिवारों को रोजमर्रा की जरूरतों, उपचार तथा देखभाल के लिए अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता होती है। ऐसे में नियमित सहायता उन्हें कुछ आर्थिक मजबूती दे सकती है। पात्रता का विस्तार स्वागत योग्य है, लेकिन सहायता राशि को महंगाई के अनुरूप बढ़ाना भी जरूरी है। वहीं, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने का निर्णय भी सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से अहम है। इस अवधि में 53,428 करोड़ रुपये खर्च करने का योजना है, जिससे करीब 3.20 करोड़ लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है। बुजुर्गों, विधवाओं और आर्थिक संकट से जूझ रहे परिवारों के लिए ऐसी योजनाएं कठिन समय में सहारा बनती हैं। परिवार के मुख्य कर्माने वाले सदस्य की मृत्यु पर मिलने वाली सहायता संकटग्रस्त परिवार को संभलने का अवसर देती है। इससे पहले सरकार ने व्यापारियों को राहत देते हुए यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित 0.4 फीसदी मर्चेट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुरू को दिवाली तक टालने का फैसला किया था। कुलमिलाकर दिवाली से पहले लिए गए ये फैसले आर्थिक राहत और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाने का अवसर देते हैं। बोनस से बाजार में नैतिक बढ़ सकती है और पेंशन योजनाओं से कमजोर वर्गों को सहारा मिल सकता है। त्योहार की असली सार्थकता लभी है, जब समृद्धि की रोशनी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सरकार की घोषणाएं इस दिशा में उम्मीद जगाती हैं; अब जरूरत है कि उनका लाभ समय पर और पूरी परदर्शिता के साथ लोगों तक पहुंचे।

ग्रामीण महिला दिवस

बलकार सिंह पूनियां



मिट्टी से मेडल तक और

पंचायत से पोडियम तक

मिट्टी से मेडल तक और पंचायत से पोडियम तक की यह यात्रा केवल खेल की कहानी नहीं है। यह उस ग्रामीण भारत की कहानी है, जहां महिला अब केवल विकास की लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की निर्माता बन रही है। खेल का पदक उसकी चमकती उपलब्धि है; खेल, घर, बाजार और पंचायत में बढ़ती उसकी भागीदारी नए भारत की स्थायी शक्ति है। एशियाई खेल 2026 में भारतीय बेटियों की सफलता को केवल खेल उपलब्धियों के रूप में देखना इस बदलाव की व्यापकता को सीमित कर देना होगा। नागोया में भारतीय महिला खिलाड़ियों ने जिस आत्मविश्वास के साथ पदक जीते, वह उस बदलते भारत की तस्वीर है जहां गांव और छोटे कस्बों की बेटियां खेल के मैदान से लेकर पंचायत, खेल, उद्यम और डिजिटल अर्थव्यवस्था तक अपनी पहचान बना रही हैं। खेलों का पोडियम इस परिवर्तन का दिखाई देने वाला चेहरा है, जबकि ग्रामीण भारत में महिलाओं की बढ़ती आर्थिक और सामाजिक भागीदारी इसकी गहरी बुनियाद है।

एशियाई खेलों में भारत ने 21 स्वर्ण सहित कुल 85 पदक जीते। इनमें बड़ी संख्या बेटियों की थी। भारत के कुल 85 पदकों में 41 महिला खिलाड़ियों के खाते में आए। 21 स्वर्ण में से 11 महिलाओं ने जीते, जबकि तीन स्वर्ण मिश्रित स्पर्धाओं में आए। यह प्रदर्शन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इनमें अनेक खिलाड़ी छोटे शहरों, कस्बों और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आती हैं। हरियाणा के संगतपुरा की 26 वर्षीय नीरू ढांडा ने महिला ट्रैप स्पर्धा में भारत को इन खेलों का पहला व्यक्तिगत स्वर्ण दिलाया। अमरावती की 17 वर्षीय कुमुकम मोहोड़ ने दो स्वर्ण और एक रजत जीतकर महिला रिकर्व में दक्षिण कोरिया के दो दशक पुराने वर्चस्व को चुनौती दी। उनकी उपलब्धि केवल एक युवा खिलाड़ी की सफलता नहीं, बल्कि उस संभावना का प्रतीक है जो सही प्रशिक्षण और अवसर मिलने पर भारत की बेटियों में छिपी है। पृथिवका प्रदीप ने दो स्वर्ण जीते और प्रणवी उसे एशियाई खेलों में गोल्फ स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। प्राची चौधरी और विद्या रामराज ने 4x400 मीटर रिले में स्वर्ण जीता। टुक कालिका की बेटी विद्या, जो कभी नंगे पांव दौड़कर अंधास्य करती थीं, ने पी.टी. उषा का 42 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ा। सीमा कुमारी ने 10,000 मीटर में 16 वर्ष का पदक-सूखा खत्म किया। संजू देवी की कबड्डी टीम और इशिका चौधरी तथा सविता पूनिया की हॉकी टीम ने स्वर्ण जीता। महिला हॉकी ने 44 साल का इंतजार खत्म किया, जबकि हरमनप्रीत कौर को टीम ने क्रिकेट का स्वर्ण वापस दिलाया। शोफाली वर्मा और रेणुका सिंह ठाकुर जैसी छोटे शहरों से निकली खिलाड़ियों ने भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन उपलब्धियों के पीछे केवल प्रतिभा नहीं, बल्कि संघर्ष भी है।

खेल व्यवस्था में मनोवैज्ञानिक परामर्श को नियमित प्रशिक्षण का हिस्सा बनाना इसी से जुड़ा महत्वपूर्ण सबक है। लेकिन इन खिलाड़ियों की कहानियां हमें गांव को उन हजारों बेटियों की ओर भी देखने को मजबूर करती हैं जिनमें प्रतिभा तो है, पर अवसर नहीं। शहरों में अकादमी, प्रशिक्षक, पोषण और प्रतिযোগिताएं अपेक्षाकृत सुलभ हैं, जबकि ग्रामीण बेटी को कई किलोमीटर दूर जाकर अभ्यास करना पड़ सकता है। जिस परिवार के लिए धनुष, राइफल, अच्छे जूते या यात्रा का खर्च बड़ी चुनौती हो, वहां से किसी बेटी का अंतरराष्ट्रीय पोडियम तक पहुंचना असाधारण संकल्प का परिणाम है। यही प्रश्न खेल से आगे ग्रामीण महिला के जीवन में भी दिखाई देता है। खेत में काम करने वाली महिला, पशुपालन करने वाली महिला, स्वयं सहायता समूह चलाने वाली महिला, पंचायत प्रतिनिधि और छोटे व्यवसाय की संचालिका इन सभी की उपलब्धियां अवसर पदक तालिका में दर्ज नहीं होतीं। फिर भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सामाजिक परिवर्तन में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। कॉर्पोरेट जगत को महिला खेल, ग्रामीण उद्यम और महिला नेतृत्व में निवेश को सामाजिक दायित्व से आगे बढ़कर आर्थिक और सामाजिक निवेश के रूप में देखना होगा। मिट्टी से मेडल तक और पंचायत से नेतृत्व तक की यह यात्रा केवल महिलाओं की उपलब्धियों की कहानी नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के बदलते चरित्र की कहानी है। जब गांव की महिला अपने श्रम का मूल्य, अपनी आय पर अधिकार, पंचायत में अपनी आवाज और अपनी बेटी के भविष्य पर निर्णय का अधिकार हासिल करती है, तभी महिला सशक्तीकरण वास्तविक अर्थ ग्रहण करता है। खेल का पदक इस परिवर्तन की चमक है, लेकिन खेल, घर, बाजार और पंचायत में बढ़ती महिला भागीदारी ही इसकी स्थायी शक्ति है। यही नए भारत की ग्रामीण नारी शक्ति है।

(लेखक अखिलक प्रोफेसर सामाजिक विकास विभाग हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



ज्ञानेश-विवाद राजकुमार सिंह



भारतीय चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर आज देश में ही सवाल और संदेह हैं। आयोग की कार्य प्रणाली पर बाहर से तो सवाल अरसे से उठ रहे हैं, लेकिन अंदर से उठे सवालों का भी जवाब न देकर वह खुद को कठघरे में खड़ा कर रहा है। चुनाव आयुक्तों से मुलाकात के लिए संसद से आयोग कार्यालय तक मार्च करने वाले विपक्षी गठबंधन ‘इंडिया’ के सैकड़ों सांसदों से मिलने से इनकार से शुरू तकरार अब दिल्ली-मुंबई समेत कई शहरों में सड़कों पर प्रदर्शन तक पहुंच गई है। उस दिन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आठ घंटे तक आकाशवाणी भवन में धरने पर बैठे रहने, अगले दिन जंतर-मंतर पर धरने की कोशिश और 12 अक्टूबर की सर्वोच्च न्यायालय तक मार्च से भारतीय लोकतंत्र की सुखद तस्वीर नहीं उभरती। दो को मुंबई और आठ को बंगलुरु में प्रदर्शन के बाद 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए दिल्ली आ रहे कांकोरच जनता पार्टी के नेताओं अभिजीत दीपक, सीरव दास और आशुतोष रांका को फ्लाइट में घुसकर हिरासत में लेने, चर्चित युट्यूबर ध्रुव राठी को गुरुग्राम स्थित फ्लैट से सुबह तड़के ही उठा लेने और पूर्व मुख्यमंत्रियों समेत अनेक सांसदों को हिरासत में लेने से भी संविधान सम्मत कानून के शासन की तस्वीर नहीं उभरती। मना करने के बावजूद नौ अक्टूबर रात नौ बजे से ही दर्जनों मेट्रो स्टेशन बंद कर दिल्ली आने वाली सैकड़ों ट्रेन रद्द करने पर तो सर्वोच्च अदालत ने अवमानना का नोटिस भी जारी किया, पर उसके बावजूद छावनी बनी दिल्ली में सुरक्षा बलों, खासकर पुलिस के रवैये में ज्यादा बदलाव दिखा नहीं। शांतिपूर्ण आंदोकारियों और अपना काम कर रहे पत्रकारों के साथ ही विरोध करने वाले वकीलों को भी हिरासत में ले लिया गया। मुख्य न्यायाधीश के निर्देश के बाद वकील तो तत्काल रिहा हो गये, लेकिन आंदोलनकारियों और पत्रकारों के लिए फोन नौकन करेगा? संविधान तो सभी नागरिकों को समान अधिकार देता है! अब जंतर-मंतर के बजाय विरोध प्रदर्शन के लिए तीन नए स्थलों के नाम घोषित किए गए हैं। कानून व्यवस्था के नाम पर आंदोलनकारियों के साथ सरकार जैसा व्यवहार कर रही है, उससे आम नागरिकों की मुश्किलें भी बढ़ रही हैं, लेकिन संदेह और सवालोंने से घिरे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार मौन हैं। मौन से सवालोंने का जवाब नहीं मिलता, पर संस्कृत में कहा गया है: मौनं स्वीकृतिं लक्षणम् लगातार चुनावी हार से बेजार विपक्ष कथित ‘वोट चोरी’ के मुद्दे पर एकजुट है और आक्रामक भी। उपर ज्ञानेश कुमार के बचाव में, केंद्र में सरकार का नेतृत्व कर रही भाजपा बेहद आक्रामक है। इससे ज्ञानेश

हमें वैराग्य लेकर भगवान को नहीं पाना



परिवार में कोई बीमार हो तो दूसरे व्यक्ति के शरीर पर भी असर होता है। अगर बच्चों का विवाह नहीं हुआ है, अच्छा लड़का या लड़की नहीं मिली है, पढ़ाई ठीक से नहीं कर पाए हैं तो इन पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। हमें वैराग्य लेकर भगवान को नहीं पाना है। बल्कि हम जहां हैं, वहां रहकर भगवान को ऊपर से नीचे उतारना है।



संकलित

दर्शन

भगवान उतरते हैं। दशरथ के घर उतरें हैं, वासुदेव की जेल में उतरें हैं। हम वैराग्य लेकर उन्हें ऊपर खोजने जाएं, वह भी एक गति है, लेकिन क्यों न हम एक एक पारिवारिक दायित्व पूरा करते-करते उन्हें नीचे बुला लें। हम नरसिंह नहीं है। हम मीरा और भर्तृहरि नहीं हैं। मनु और शतरूपा ने वैराग्य का पथ लिया तो भी पारिवारिक दायित्व को पूरा किया। भजन का मतलब यह नहीं कि आप सबको नजरअंजाम करें, सबकी उपेक्षा करें। भजन में पारिवारिक स्वास्थ्य आवश्यक है। आत्मा की तंदुरुस्ती के विषय में मैं खुलासा कर दू कि आत्मा बीमार नहीं है। मन बीमार हो सकता है, आत्मा कहां बीमार होती है। जैसे सूरज तंदुरुस्त है, लेकिन बादल से आवृत होने पर सूरज दिखना बंद हो जाता है। वैसे ही स्थिति हमारी आत्मा की है। जैन परंपरा कहती है कि आत्मा पर कई तरह के कशाय के बादल छा जाते हैं। इसी रूप में आत्मा अस्वस्थ नहीं हो सकती। आत्मा बूढ़ी नहीं हो सकती। शरीर जन्म लेता है, आत्मा जन्म नहीं लेती। ये तो सीधी-सी बात है।



संकलित

प्रेरणा

भी पवित्र जल में स्नान करा लाये। लोगों ने उनके गुद्दार्थ पे गौर किये बिना ही वह कद्दू ले लिया और जहाँ-जहाँ गए, स्नान किया वहाँ-वहाँ स्नान करवाया। मंदिर में जाकर दर्शन किया तो उसे भी दर्शन करवाया। ऐसे यात्रा पूरी होते सब वापस आए और उन लोगों ने वह कद्दू संतजी को दिया। तुकारामजी ने सभी यात्रियों को प्रीतिभोज पर आमंत्रित किया। तीर्थयात्रियों को विविध पकवान परोसे गए। तीर्थ में घूमकर आये हुए कद्दू की सब्जी विशेष रूपसे बनवायी गयी थी। सभी यात्रियों ने खाना शुरू किया और सबने कहा कि यह सब्जी कड़वी है। तुकारामजी ने आश्चर्य बताते कहा कि यह तो उसी कद्दू से बनी है, जो तीर्थ स्नान कर आया है। बेशक यह तीर्थाटन के पूर्व कड़वा था, मगर तीर्थ दर्शन तथा स्नान के बाद भी इसी में कड़वाहट है! यह सुन सभी यात्रियों को बोध हो गया कि, हमने तीर्थाटन किया है लेकिन अपने मन को एवं स्वभाव को सुधारा नहीं तो तीर्थयात्रा का अधिक मूल्य नहीं है। हम भी एक कड़वे कद्दू जैसे कड़वे रहकर वापस आए हैं।

अंतर्गमन



करंट अफेयर

साइबर हमले से प्रभावित हुई यूरोप की सुपरमार्केट शृंखलाएं

साइबर हमलों के कारण यूरोप की कई सुपरमार्केट शृंखलाओं का कामकाज प्रभावित हुआ है जिससे फ्रांस में सैकड़ों दुकानों की प्रशौतन प्रणालियां बाधित हुई है जबकि एक बड़ी सुपरमार्केट कंपनी को यूरोप और अमेरिका के ग्राहकों के लिए संचालित अपनी वेबसाइटें बंद करनी पड़ीं। फ्रांस के वित्त मंत्री सेलेस्ट लेस्वयोर ने मंगलवार को संसद को बताया कि देश के करीब 10,000 सुपरमार्केट में से लगभग 700 इस हमले से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि फ्रांस की खाद्य आपूर्ति पर कोई खतरा नहीं है, लेकिन स्वीकार किया कि यह हमला ‘ हमारी खाद्य सुरक्षा की बुनियाद पर चोट करता है।’ उन्होंने कहा, ‘यह घटना सभी के लिए एक चेतावनी है।’ इस बीच, नीदरलैंड की प्रमुख सुपरमार्केट कंपनी ‘अहोल्ड डेलहाइज’ ने मंगलवार को कहा कि वह सुरक्षा संबंधी समस्या के कारण बंद की गई अपनी प्रणालियों को फिर से वास्तु करने में जुटी है। कंपनी ने कहा कि नीदरलैंड में ‘अल्वर्ट हेजन’, बेल्जियम में ‘डेलहाइज’ और अमेरिका में ‘स्टॉक एंड शॉप’, ‘फूड लायन’ तथा ‘जयंट’ नाम से संचालित उसके स्टोर खुले रहें। हालांकि, इन सभी ब्रांड की वेबसाइट मंगलवार को भी बंद रही। अहोल्ड डेलहाइज ने कहा कि उसके पास ग्राहकों या कर्मचारियों के आंकड़ों की चोरी होने का कोई साक्ष्य नहीं है।



हुए हैं, वहां यह रिकॉर्ड ई नहीं रखा जाता कि फ़ितने लोगों को सांप ने काटा या फ़ितने लोग ‘ सर्प विषाकता’ के शिकार हुए। सहारा के संक्षिप्त में स्थित अफ़्रीकी देशों और दक्षिण एशिया के ग्रामीण इलाकों में सांप के काटने के कई पीड़ित ऐसे होते हैं, जिन्हें निकटतम स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने में कई घंटे लग जाते हैं। उनके पास वहां तक पहुंचने के लिए परिवहन साधन नहीं होते या वे इलाज के लिए पारंपरिक चिकित्सकों के पास जाते हैं। नतीजतन, उनके मामलों का उल्लेख कभी भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य आंकड़ों में नहीं मिल पाता।



- रेणु अस्थाना, हिन्सर

ऑफ बीट

सांप के काटने का खतरा हमारी सोच से कहीं बड़ा

सांप के काटने पर हर बार शरीर में जहर नहीं पहुंचता। लेकिन जब सांप का जहर शरीर में प्रवेश कर जाता है, तो यह स्थिति ‘सर्प विषाकता’ कहलाती है।

यह जानलेवा स्थिति हो सकती है। इसका सबसे अधिक असर उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में रहने वाले गरीब ग्रामीण समुदायों पर पड़ता है, जहां लोगों के लिए चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंचना आसान नहीं है। सांप के काटने और उष्णकटिबंधीय बीमारियों के महामारी विज्ञान के क्षेत्र में दशकों का संयुक्त अनुभव रखने वाले शोधकर्ताओं के रूप में हमने महसूस किया कि ‘सर्प विषाकता’ से निपटने के प्रयासों में अंकड़ें उपलब्ध न होना गंभीर संकट है। जिन आड़े से अधिक देशों में विषले सांप लोगों के लिए खतरा बने

हुए हैं, वहां यह रिकॉर्ड ई नहीं रखा जाता कि फ़ितने लोगों को सांप ने काटा या फ़ितने लोग ‘ सर्प विषाकता’ के शिकार हुए। सहारा के संक्षिप्त में स्थित अफ़्रीकी देशों और दक्षिण एशिया के ग्रामीण इलाकों में सांप के काटने के कई पीड़ित ऐसे होते हैं, जिन्हें निकटतम स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने में कई घंटे लग जाते हैं। उनके पास वहां तक पहुंचने के लिए परिवहन साधन नहीं होते या वे इलाज के लिए पारंपरिक चिकित्सकों के पास जाते हैं। नतीजतन, उनके मामलों का उल्लेख कभी भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य आंकड़ों में नहीं मिल पाता।

और भाजपा के संबंधों पर संदेह गहराता ही है, लेकिन उससे भी ज्यादा खतरनाक है विपक्षी और सीजेपी आंदोलनकारियों के जवाब में सत्ता- समर्थकों की हिंसक प्रतिक्रिया। सोशल मीडिया पर चींटियोज में उनके प्रति दिल्ली पुलिस की नरमी भी साफ नजर आती है। पेपर लोक मामले में जंतर-मंतर प्रदर्शन में भी कुछ लोग सादा कपड़ों में आंदोलनकारियों पर हमला करते नजर आये थे। आंदोलनकारियों की भीड़ में ऐसी घुसपैठ खतरनाक प्रयोग है, जिसके परिणाम देश-समाज के लिए घातक और दूरगामी होंगे। बेशक चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है, लेकिन संविधान से ऊपर तो नहीं। आयोग का



मुख्य दायित्व स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव करवाना है। इस प्रक्रिया में राजनीतिक दल महत्वपूर्ण भागीदार हैं। विपक्षी सांसदों से मिलने के लिए भी अगर चुनाव आयुक्तों के पास समय नहीं, तो उनकी नजर में आम मतदाता की हैसियत का अंदाजा ही लगाया जा सकता है, जिसे अकसर चुनावों के समय ‘जनार्दन’ कहा जाता है। संसदीय लोकतंत्र में संसद और सड़क, दोनों राजनीति की परंपरा है, पर वह सिर्फ टकराव तक सिमटती नजर आये तो जिम्मेदार संस्थाओं और लोगों को चेत जाना चाहिए। एक ओर संवैधानिक संस्थाओं पर अविश्वास बढ़ रहा है तो दूसरी ओर वे भी असल सवालोंने से मुंह चुराती दिख रही हैं। अपनी साख पर सवालोंने और गहराते संदेह से खुद चुनाव आयोग के चेहरे पर शिकन नजर नहीं आती। राजनीतिक दलों के एजेंडा पर तो राजनीति के अलावा कुछ और रहता ही नहीं। ऐसा नहीं कि मतदान केंद्रों पर कब्जे और मत पत्रों की लूट के लिए बदनाम रहे भारतीय लोकतंत्र में चुनाव आयोग पर अतीत में सवालोंने नहीं उठे, पर उसकी साख इतनी कभी नहीं गिरी। दशकों बाद चुनाव आयोग को बहुसदस्यीय इसीलिए बनाया गया था कि कोई चुनाव आयुक्त निरंकुश न हो जाये,

लेकिन एक अंग्रेजी अखबार ने खुलासा किया कि तीन सदस्यीय चुनाव आयोग के दो सदस्यों सुब्रह्मचर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीने में 14 बार आयोग की कार्यप्रणाली और फैसलों पर सवाल उठाये। चार महीने से तो कोई बैठक ही नहीं हुई। इस खुलासे ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को कठघरे में खड़ा कर दिया है। तीन दिन बाद तीनों की संयुक्त बैठक की तस्वीर और विज्ञप्ति जारी कर दावा किया गया कि आयोग में सब कुछ ‘सामान्य’ है। आरोपों की गंभीरता का तकाजा था कि तीनों चुनाव आयुक्त संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस कर संदेह और सवालोंने का निराकरण करते, लेकिन हर बार की तरह सफाई सतारूद्ध दल भाजपा की ओर से आ रही है, जिससे परस्पर मिलीभगत के विपक्षी आरोपों को बल ही मिलता है। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 के जरिये नियुक्ति समिति में सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की जगह प्रधानमंत्री द्वारा नामित कैबिनेट मंत्री को शामिल करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं के अलावा दो चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों संबंधी खुलासे के बाद अब चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, खासकर मुख्य चुनाव आयुक्त की मनमानी का मुद्दा भी सर्वोच्च न्यायालय पहुंच गया है। अखबार के खुलासे के आधार मात्र पर सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य चुनाव आयुक्त के निर्लंबन या उनके द्वारा फैसले लेने पर रोक लगाने से परहेज किया, लेकिन कारण बताओ नोटिस जारी करने से साफ है कि आयोग की कार्यप्रणाली और फैसले न्यायिक समीक्षा से परे नहीं। एसआईआर में करोड़ों मतदाताओं के नाम काटे जाने के अलावा फॉर्म -6 भी आयोग की आलोचना का बड़ा कारण है।

आयोग और भाजपा नेता फॉर्म-6 में ‘घोषणापत्र’ जोड़ने को सर्वोच्च न्यायालय की मंजूरी का दावा करते रहे हैं, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने फॉर्म -6 में किसी भी संशोधन को मंजूरी से 12 अक्टूबर को फिर इनकार किया। 12 अक्टूबर को राहुल गांधी समेत 11 विपक्षी नेताओं की याचिका भी सर्वोच्च न्यायालय पहुंच गयी, जिसने ज्ञानेश कुमार के विरुद्ध दायर सभी याचिकाओं को संयुक्त करते हुए 27 अक्टूबर को सुनवाई तय की है। बेशक कानूनी लड़ाई लंबी चल सकती है, पर विपक्ष और सीजेपी सरीखे पर राजनीतिक संगठन सड़क की लड़ाई भी बंद करने वाले नहीं। आयोग की कार्यप्रणाली पर उठने वाले संदेह और सवालोंने की पुष्टि अगर हो गयी, तब सरकार की साख भी उसकी तीव्रता से नहीं बच पाएगी, जो विपक्ष का असली निशाना भी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कद्दू का तीर्थ स्नान

एकबार तीर्थ यात्रा पे जाने वाले लोगों का संघ, संत तुकाराम जी के पास जाकर उनके साथ चलने की प्रार्थना की। तुकारामजी ने अपनी असमर्थता बताई। उन्होंने तीर्थयात्रियों को एक कड़वा कद्दू देते हुए कहा- मैं तो आप लोगों के साथ आ नहीं सकता लेकिन आप इस कद्दू को साथ ले जाईए और जहां-जहां भी स्नान करे, इसे



भारत-कनाडा संबंध

कनाडा की हिंदी मंत्री अनीता आनंद से मिलकर खुशी हुई। हमने व्यापार, टेक्नोलॉजी, सुरक्षा, ऊर्जा, शिक्षा और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान के क्षेत्रों में भारत-कनाडा संबंधों को और मजबूत करने पर सार्थक चर्चा की।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

डेमोक्रेसी की आवाज

वह दिन जरूर आएगा जब हमारी डेमोक्रेसी की आवाज दबाने वालों को सड़त इराफ का सामना करना पड़ेगा। मैं चाहत हूँ कि जिस भी स्टूडेंट या युवा ने पुलिस की बर्बरता या गैर-कानूनी हिरासत का सामना किया है, वह उसका पूरा हिरोईन-वीडियो या फोटो जरूर रखे; ये बहुत जरूरी होंगे।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

सशक्तिकरण के प्रयास

मारी सरकार राज्य की आर्थी आबदी के करवाण के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ महिलाओं के समानान, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण के लिए विहतर प्रयास किए जा रहे हैं।

- डॉ. मोहन यादव, सीएम, मध्यप्रदेश

लोकतांत्रिक अधिकार

हमने और हमसे पहले कई कई पीढ़ियों ने अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए मजबूती से लड़ई लड़ी है। हमने ऐसा करना जारी रखना होगा। मैं सीजेपी के आशुतोष और सीधर की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करती हूँ।

-नमता बERNIA, पूर्व सीएम, प. बंगाल



डाटा एंट्री के नाम पर 39 लाख की ठगी, उत्तराखंड से दो आरोपी गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में डाटा एंट्री का काम दिलाने और डाटारिकवर करने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। भिलाई के नेहरू नगर निवासी एक व्यक्ति से ऑनलाइन संपर्क कर डाटा एंट्री का काम देने का झांसा दिया गया। इसके बाद डाटा खराब होने और उसे ठीक करने के लिए सॉफ्टवेयर टूल्स खरीदने के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में रकम जमा कराई गई। इस तरह पीड़ित से कुल 39 लाख 33 हजार 560 रुपये की कथित धोखाधड़ी की गई। शिकायत मिलने के बाद डाटा एंट्री का काम दिलाने के नाम पर किया संपर्क

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, नेहरू नगर भिलाई निवासी राजेश कुमार चौरसिया (57 वर्ष) ने थाना सुपेला की चौकी स्मृतिनगर में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि अक्टूबर 2025 में इंडिया मार्ट के माध्यम से मोबाइल नंबर पर संपर्क किया गया था। इस दौरान नोएडा स्थित ग्रीन रेंस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में डाटा एंट्री का काम दिलाने की बात कही गई। इसके बाद कंपनी के साथ एग्रीमेंट कर मेडिकल, स्टील कारोबार, कंस्ट्रक्शन और इंपोर्ट-एक्सपोर्ट से संबंधित डाटा एंट्री का काम शुरू कराया गया। शुरूआत में पीड़ित को काम उपलब्ध कराया गया, लेकिन इसके बाद डाटा खराब होने की बात कहकर अतिरिक्त



रकम जमा कराने का सिलसिला शुरू हो गया। डाटा करप्ट होने की बात कहकर मांगे लाखों रुपये प्राथी के अनुसार, काम के दौरान उसे बताया गया कि डाटा करप्ट हो गया है और इसे दोबारा रिकवर करने के लिए विशेष सॉफ्टवेयर टूल्स

खरीदने होंगे। इसके नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में रकम जमा कराने को कहा गया। आरोप है कि डाटा रिकवरी और पेमेंट रिलीज कराने के बहाने लगातार भुगतान लिया गया। इस तरह पीड़ित के आईडीएफसी बैंक खाते

से कुल 39 लाख 33 हजार 560 रुपये अलग-अलग बैंक खातों में जमा कराए गए। जब पीड़ित को धोखाधड़ी का अहसास हुआ, तब उसने पुलिस से शिकायत की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। सुपेला पुलिस ने दर्ज किया धोखाधड़ी का मामला पीड़ित राजेश कुमार चौरसिया की शिकायत पर थाना सुपेला की चौकी स्मृतिनगर में अपराध क्रमांक 935/2026 दर्ज किया गया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों से जुड़े बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की तकनीकी जानकारी जुटाई। इसके आधार पर

संदिग्धों की लोकेशन का पता लगाने का प्रयास किया गया। तकनीकी जांच में आरोपियों की लोकेशन उत्तराखंड के नैनीताल जिले के हल्द्वानी में मिलने के बाद पुलिस टीम को वहां रवाना किया गया। हल्द्वानी से दो आरोपी गिरफ्तार पुलिस टीम ने हल्द्वानी पहुंचकर संदिग्धों की तलाश शुरू की। तकनीकी जानकारी और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ और जांच के बाद पुलिस ने राम निवास (42 वर्ष) और राहुल बिष्ट (23 वर्ष) को गिरफ्तार किया। राम निवास मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के ग्राम मजहवा गंगापुर का निवासी है। वर्तमान में वह हल्द्वानी के कमलुआगांवा इलाके में रह रहा था।

वहीं, दूसरा आरोपी राहुल बिष्ट हल्द्वानी की सर्वोदय कॉलोनी, हिममतपुर तल्ला का निवासी है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से घटना में इस्तेमाल किए गए दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

बैंक खातों और मोबाइल नंबरों से मिला सुराग

इस मामले में आरोपियों तक पहुंचने के लिए पुलिस ने बैंक लेनदेन और मोबाइल नंबरों से जुड़ी तकनीकी जानकारी का सहारा लिया। जांच में प्राप्त जानकारी के आधार पर आरोपियों की लोकेशन का पता चला। इसके बाद थाना सुपेला और चौकी स्मृतिनगर पुलिस की टीम ने उत्तराखंड पहुंचकर गिरफ्तारी की कार्रवाई की।

सीनियर सिटीजन पेंशन कार्ड बनाने के नाम पर रिटायर्ड शिक्षक से ठगे 5.90 लाख , 2 आरोपी गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जगदलपुर। बस्तर पुलिस ने साइबर ठगी के एक मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए झारखंड के जामताड़ा से जुड़े अंतर्राज्यीय साइबर ठग गिरोह के 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने रिटायर्ड शिक्षक से लगभग 6 लाख रुपए की साइबर ठगी की थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अल्ट्रा कार्ड, मोबाइल और नगद बरामद किए हैं।

सीनियर सिटीजन पेंशन कार्ड के नाम पर ठगे 5.90 लाख

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, साइबर ठगों ने फेसबुक के माध्यम से एक सेवानिवृत्त शिक्षक को अपने जाल में फंसाया

था। आरोपियों ने रिटायर्ड शिक्षक को सीनियर सिटीजन पेंशन कार्ड बनवाने का झांसा दिया। इसके बाद अलग-अलग तरीके से उन्हें विश्वास में लेकर कुल 5 लाख 90 हजार रुपये की धोखाधड़ी की गई। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित शिक्षक ने पररा थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद बस्तर पुलिस और साइबर सेल ने मामले की जांच शुरू की।

82 एटीएम कार्ड और 6 मोबाइल जब्त
गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने बड़ी संख्या में बैंकिंग और इलेक्ट्रॉनिक सामग्री बरामद की है। जब्त सामग्री में 82 एटीएम कार्ड, 6 मोबाइल फोन और 25 हजार रुपये नकद शामिल हैं। इसके अलावा ठगी की रकम से



ऑनलाइन खरीदे गए सामान भी बरामद किए गए हैं। इतनी बड़ी संख्या में एटीएम कार्ड मिलने के बाद पुलिस के सामने बैंक खातों के इस्तेमाल और उनसे जुड़े लेनदेन की जांच का महत्वपूर्ण विषय भी सामने आया है।

जांच में हुआ चौंकाने वाला खुलासा- ASP
एडिशनल एसपी सुखनंदन

राठौर ने बताया कि प्राथमिक जांच में इस बात का खुलासा हुआ था कि ठगी के पैसे हरियाणा के एक बैंक खाते में ट्रांसफर हुए थे। आरोपी ऑनलाइन माध्यम से पैसे का उपयोग कर रहे थे। साथ ही आरोपियों ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता से एटीएम कार्ड के जरिए भी पैसे निकाले, जिसके बाद कोलकाता के लिए एक विशेष टीम जांच के लिए भेजी गई थी।

कोलकाता से गिरफ्तार हुए दोनों आरोपी

दर्जनों सीसीटीवी फुटेज और 200 से अधिक होटलों में जाकर सदिग्ध आरोपियों की पहचान की गई, जिसके बाद आरोपी शाहबाज अंसारी और जियाउल हक निवासी जामताड़ा झारखंड को पुलिस ने कोलकाता से गिरफ्तार किया।

नौकरी लगाने के नाम पर 13.69 लाख की ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में नौकरी लगाने के नाम पर 13 लाख 69 हजार रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। छात्रावास अधीक्षक के पद पर नियुक्ति दिलाने का झांसा देकर रकम लेने के आरोप में बैकुंठपुर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को 15 अक्टूबर 2026 को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। मामले में अन्य आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

कई किशतों में लिए 13.69 लाख रुपये
पुलिस के अनुसार, आमापाया निवासी संतोष कुमार सारथी, पिता



छोटेराला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि अनुराधा भगत और अन्य लोगों ने उन्हें नौकरी दिलाने का भरोसा देकर कुल 14 लाख रुपये लिए। शिकायत की जांच में सामने आया कि आरोपियों ने 16 अप्रैल

2024 से 28 मार्च 2025 के बीच कई किशतों में नकद और बैंक खाते के माध्यम से कुल 13 लाख 69 हजार रुपये प्राप्त किए। शिकायतकर्ता का आरोप है कि रकम देने के बावजूद उन्हें नौकरी

नहीं मिली। जब उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपियों ने कथित तौर पर उन्हें झूठे मामले में फंसाये और जान से मारने की धमकी दी।

दो आरोपी गिरफ्तार, अव्य की तलाश जारी

जांच में अपराध प्रमाणित पाए जाने के बाद बैकुंठपुर थाने में अपराध क्रमांक 301/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 351(3), 61(2) और 3(5) में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने इस मामले में अनुराधा लक्का (32 वर्ष), निवासी कछार, थाना धौरपुर, जिला सरगुजा, वर्तमान निवास बंगाली चौक, बौरीपारा, अंबिकापुर तथा जोखन लाल (61 वर्ष), निवासी सरभोका गोहला सरई, थाना पटना, वर्तमान निवास बाबू

कॉलोनी, प्रेमाबाग, बैकुंठपुर को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, प्रकरण में शामिल अन्य आरोपी अभी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है।

नौकरी के नाम पर रकम देने से पहले करें जांच

यह मामला नौकरी दिलाने के नाम पर पैसे लेने और कथित धोखाधड़ी के प्रति सतर्क रहने की जरूरत को रेखांकित करता है। नौकरी के लिए किसी व्यक्ति को रकम देने से पहले नियुक्ति प्रक्रिया, संबंधित विभाग और दावों की प्रामाणिकता की जांच करना जरूरी है।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत गरीबों और जरूरतमंद परिवारों के आवास निर्माण में किसी भी प्रकार की अनियमितता, लापरवाही और हितग्राहियों के साथ धोखाधड़ी को लेकर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब परिवारों के पक्के घर का सपना पूरा करने की महत्वपूर्ण योजना है। इसमें किसी भी स्तर पर गड़बड़ी या हितग्राहियों के हक की राशि का दुरुपयोग कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आवास निर्माण में कोताही बरतने और गरीबों के साथ धोखाधड़ी करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने



कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मंशा है कि प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को पक्का आवास मिले। विशेष रूप से दूरस्थ वनांचलों में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि गरीबों के आवास निर्माण के लिए स्वीकृत राशि पर केवल हितग्राहियों का अधिकार है। इस राशि का दुरुपयोग करने अथवा आवास निर्माण के नाम पर हितग्राहियों को परेशान करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं

जाएगा।
कबीरधाम में बड़ी कार्रवाई, दो ठेकेदारों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

कबीरधाम जिले के विकासखंड बोड़ला अंतर्गत प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के हितग्राहियों से आवास निर्माण के नाम पर राशि लेकर निर्माण कार्य नहीं करने की शिकायतों पर दो अलग-अलग मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। दोनों मामलों में कुल 9 हितग्राहियों से 5 लाख 9 हजार रुपए लेने की शिकायत सामने आई है। शिकायतों के आधार पर संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध थाना चिल्फी एवं थाना तरेगांव जंजाल में अपराध दर्ज किया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का बस्तर आगमन गौरव का अवसर, मुरिया दरबार में होंगी शामिल-मुख्यमंत्री साय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के प्रस्तावित छत्तीसगढ़ प्रवास के संबंध में हमने राष्ट्रपति महोदया को बस्तर आने का आमंत्रण दिया था। पूर्व में बस्तर के मांझी-चालकी प्रतिनिधियों से भेंट के दौरान भी उनसे बस्तर आने का आग्रह किया गया था, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया था। उनका 22 एवं 23 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ प्रवास प्रस्तावित है। 23 अक्टूबर को वे जगदलपुर जाएंगी और वहां मुरिया दरबार में शामिल होंगी। राष्ट्रपति महोदया का बस्तर आगमन हम सभी के लिए प्रसन्नता और गौरव का अवसर है। मुख्यमंत्री श्री साय ने नक्सली हिंसा से प्रभावित एवं



अन्य दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दत्तेवाड़ा में आयोजित शिविर को संबोधित किया है। सरकार का प्रयास है कि नक्सली हिंसा से प्रभावित लोगों को हारसंपन्न सहायता मिले और वे सम्मान एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। प्रदेश में पहली बार आयोजित होने

जा रहे अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट मैच के संबंध में मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए प्रसन्नता का विषय है। भारत और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमों के बीच होने वाले इस मैच में महिला दर्शकों के लिए प्रवेश निःशुल्क रखा गया है। इससे प्रदेश की माताओं-बहनों और बेटियों का अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के साथ उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिलेगा।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर - छत्तीसगढ़ की सियासत में 25 अक्टूबर से भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक स्तर पर हलचल तेज होने के संकेत हैं। बीजेपी की प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी दो दिवसीय दौरे पर रायपुर पहुंचींगी। उनके प्रवास के दौरान राजधानी स्थित कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में लगातार दो दिनों तक मैराथन बैठकों का दौर चलेगा। इन बैठकों में प्रदेश सरकार के कामकाज, संगठन की गतिविधियों और आगामी राजनीतिक रणनीति को लेकर चर्चा होने की संभावना है। इस दौर को पार्टी के संगठनात्मक लिहाज से अहम माना जा रहा है। बैठकों में

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साय, विजय शर्मा सहित प्रदेश सरकार के मंत्री, सांसद और विधायक शामिल होंगे। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में संगठन और सरकार के बीच समन्वय, जनहित से जुड़े मुद्दों तथा पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार-विमर्श हो सकता है।

अनुभवी नेताओं से वन-टू-वन चर्चा

दौरे की एक अहम कड़ी पुराने और अनुभवी नेताओं के साथ प्रस्तावित वन-टू-वन चर्चा भी हो सकती है। इसके जरिए प्रदेश में संगठन की मौजूदा स्थिति, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और राजनीतिक चुनौतियों को लेकर



अलग-अलग नेताओं से फीडबैक लेने की तैयारी है। हालांकि, इन व्यक्तित्व बैठकों का अंतिम कार्यक्रम और एजेंडा सामने आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। स्मृति ईरानी के इस प्रवास के दौरान पार्टी संगठन में नई जिम्मेदारियां सौंपने को लेकर भी

मंथन होने की संभावना जताई जा रही है। संगठन के विभिन्न स्तरों पर जिम्मेदारियों के बंटवारे, आगामी कार्यक्रमों के संचालन और नेताओं की भूमिका जैसे विषय चर्चा के केंद्र में रह सकते हैं। हालांकि किसी बड़े फेरबदल या नियुक्ति को लेकर फिलहाल

आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।
फैसलों पर रहेगी राजनीतिक गलियारों की नजर
लगातार दो दिनों तक चलने वाली इन बैठकों को केवल औपचारिक समीक्षा के तौर पर नहीं बल्कि प्रदेश में पार्टी की आगे की रणनीति तय करने के अवसर के रूप में भी देखा जा रहा है। सरकार और संगठन के प्रमुख चेहरों की एक साथ मौजूदगी के बीच लिए जाने वाले फैसलों पर राजनीतिक गलियारों की नजर रहेगी। अब सबकी निगाहें 25 अक्टूबर को होने वाले स्मृति ईरानी के रायपुर आगमन और उसके बाद कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में होने वाली बैठकों पर टिकी हैं।

जिला अस्पताल में की गई 73 वर्षीय महिला के कूल्हे की सफल सर्जरी

सुविधाओं में इजाफा से स्थानीय स्तर पर मिल रही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां जिला अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों के समन्वित प्रयास से 73 वर्षीय महिला की जटिल कूल्हे की सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। यह उपलब्धि जिले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और गंभीर मरीजों को स्थानीय स्तर पर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बताया गया है कि ओडुगी की 73 वर्षीय श्रीमती राजकुमारी, बढ़ती उम्र के कारण दोनों कूल्हों के खराब होने की समस्या से पीड़ित थीं। उपचार के लिए वे जिला अस्पताल के हड्डी रोग विभाग पहुँचीं, जहाँ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अजय साहू द्वारा उनकी प्रारंभिक जाँच एवं एक्स-रे कराया गया। जाँच में दोनों कूल्हों के खराब होने की पुष्टि हुई। साथ ही, उनके शरीर में खून की कमी भी पाई गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह एवं सिविल सर्जन डॉ. अजय मरकाम के मार्गदर्शन में मामले की गंभीरता को देखते हुए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने तथा उचित व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के लिए तत्काल पहल की गई। मरीज को सर्जिकल वार्ड में भर्ती कर वार्ड के नर्सिंग स्टाफ ने चिकित्सकों के निर्देशानुसार उनका उपचार किया।ऑपरेशन के लिए उपयुक्त स्थिति बनने के बाद



निश्चेतना विभाग के डॉ. अनिल कुमार द्वारा आवश्यक जाँच की गई और सर्जरी की तिथि निर्धारित की गई। निर्धारित तिथि पर ओटी इंचार्ज श्रीमती नविदा परवीन के नेतृत्व में ऑपरेशन की आवश्यक तैयारियाँ पूरी की गईं। सर्जरी में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अजय साहू के साथ श्रीमती नविदा परवीन, मयंका राजवाड़े, सीमा देवांगन, ओटी टेक्नीशियन बोधन राजवाड़े एवं प्रियंका राही। ऑपरेशन थिएटर में कार्यरत अन्य सहयोगी कर्मचारियों का योगदान भी सराहनीय रहा। डॉ. अजय साहू ने बताया कि

यह मामला काफी जटिल था, लेकिन पूरी टीम के समन्वय एवं सहयोग से सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की जा सकी। उन्होंने बताया कि 12 अक्टूबर को भी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन के सहयोग से सूरजपुर निवासी 60 वर्षीय राजकुमार का सफल ऑपरेशन किया गया था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह ने कहा कि कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशानुसार जिला अस्पताल में बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। अस्पताल की व्यवस्थाओं

दस्तावेजों के अभाव में राशन कार्ड से वंचित गरीब परिवार, मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन बिहारपुर। जाति और निवास प्रमाण पत्र सहित आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में क्षेत्र के अनेक गरीब परिवार राशन कार्ड बनवाने से वंचित हो रहे

इसके चलते पात्र हितग्राहियों को शासन की खाद्यान्न योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह समस्या

परिवार खाद्यान्न योजना के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति



परेशानी का कारण बनी हुई है। जनप्रतिनिधियों ने मांग की है कि जिन पात्र परिवारों के पास जाति एवं निवास प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं हैं, उनके लिए नियमानुसार वैकल्पिक दस्तावेज स्वीकार करने की व्यवस्था की जाए। साथ ही राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाया जाए, ताकि कोई भी पात्र गरीब

तक पहुँचना चाहिए। दस्तावेजों के अभाव में जरूरतमंद परिवारों को योजना से बाहर नहीं होना पड़े, इसके लिए शासन को उचित पहल करनी चाहिए। ज्ञापन सौंपने वालों में सरपंच संघ ब्लॉक ओडुगी के अध्यक्ष गजमोचन सिंह, उमझर सरपंच प्रतिनिधि बहादुर सिंह, कालामाजन सरपंच अर्जुन सिंह एवं जितेन्द्र साकेत शामिल रहे। जनप्रतिनिधियों ने शासन-प्रशासन से समस्या का शीघ्र निराकरण करने का आग्रह किया है।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग. रा०प्र०क०/२0(1)/२025-26
ईशतहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रविशंकर अग्रवाल आ०/पति सज्जन कुमार अग्रवाल जाति निवासी राम मंदिर मैदान अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-राम मंदिर मैदान, शीट नम्बर-11क नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नम्बर 3196/4813/72 रकबा 0.01¼ एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 06.11.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 16.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयी पदमुद्रा से जारी।
नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग. रा०प्र०क०/२0(1)/२025-26
ईशतहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रमेश सोनी आ०/पति स्व० सुदर्शन प्रसाद सोनी जाति, निवासी शीतला वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला ब्रम्ह पारा, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नम्बर 3169/3. 3169/4 रकबा 0.01½, 0. 02 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 21.10.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 06.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयी पदमुद्रा से जारी।
नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग. रा०प्र०क०/२0(1)/२025-26
ईशतहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती गीता सोनी आ०/पति रमेश सोनी जाति निवासी शीतला वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-शीतला वार्ड, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नम्बर 3354/2, 3355/2 रणगा 0.11¼ एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 21.10.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 06.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयी पदमुद्रा से जारी।
नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

का समय-समय पर मूल्यांकन किया जाता है, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को भी बेहतर उपचार मिल सके और उन्हें इलाज के लिए अनावश्यक रूप से भटकना न पड़े। हमारा प्रयास है कि जिले के मरीजों को अधिक से अधिक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराई जा सकें। सिविल सर्जन डॉ. अजय मरकाम ने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा प्रत्येक गंभीर प्रकरण में तत्परता से सहयोग प्रदान किया जाता है। अस्पताल के सभी चिकित्सक एवं कर्मचारी मरीजों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए पूरी गंभीरता से कार्य करते हैं। उन्होंने सफल सर्जरी के लिए पूरी ओटी टीम को बधाई दी तथा आश्वासित किया कि मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक सुविधाएँ विकसित

प्रेमनगर में हुआ सूचना का अधिकार के संचालन हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के प्रभावी एवं सुव्यवस्थित क्रियान्वयन तथा आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल के सुचारू संचालन के उद्देश्य से 15 एवं 16 अक्टूबर को प्रेमनगर जनपद सभाकक्ष में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

किया गया। कलेक्टर रेना जमील के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रशिक्षण में विभिन्न विभागों के पदनामित जन सूचना अधिकारियों एवं प्रथम अपीलीय अधिकारियों को सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों तथा ऑनलाइन पोर्टल की प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

शैक्षणिक गुणवत्ता परखने डीएमसी ने किया विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण

बोले-शब्दबीज से निखर रही बच्चों की भाषा दक्षता प्रयोगात्मक शिक्षण से रोचक बन रही पढ़ाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले की सभी प्राथमिक शालाओं में संचालित शैक्षिक नवाचार ‘शब्दबीज’ के प्रभावी क्रियान्वयन और विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार का प्रयास किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशन में जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू ने बीआरसी दिवाकर जायसवाल एवं संकुल समन्वयक महेश्वर पैकरा के साथ भैयाथान के संकुल केंद्र रजबहर अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान शासकीय हाई स्कूल, माध्यमिक शाला रजबहर और मोहली में शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपलब्धियों एवं शब्दबीज नवाचार के क्रियान्वयन का

जायजा लिया गया। इसके साथ ही विकासखंड ओडुगी के प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला दवनसरा का भी निरीक्षण किया गया।

कलेक्टर की पहल से जिले की प्राथमिक शालाओं में शब्दबीज नवाचार संचालित किया जा रहा है। इस नवाचार का उद्देश्य बच्चों की शब्द संपदा, पठन, लेखन और अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करना तथा उन्हें प्रतिदिन नए शब्दों से जोड़कर सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। निरीक्षण के दौरान प्राथमिक शाला दवनसरा में बच्चों के लिए शब्दबीज पट्टिका का निर्माण किया गया है। पट्टिका के माध्यम से

विद्यार्थी नए शब्दों को सीखने, उनका अर्थ समझने और वाक्यों में प्रयोग करने का अभ्यास कर रहे हैं। जिले की प्राथमिक



शालाओं में संचालित यह नवाचार बच्चों के भाषा कौशल को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है। माध्यमिक शाला रजबहर में कक्षा छठवीं में सामाजिक

अध्ययन विषय के अंतर्गत हमारी सांस्कृतिक जड़ें पाठ का अध्यापन कराया जा रहा था। इस दौरान विद्यार्थियों से संस्कृति की अवधारणा एवं उसके अर्थ के संबंध में प्रश्न पूछे गए। इससे विद्यार्थियों की विषयगत समझ एवं कक्षा में उनकी सहभागिता का आकलन किया गया। हाई स्कूल में कक्षा दसवीं में विज्ञान विषय के अंतर्गत पारिस्थितिकी तंत्र का अध्यापन चल रहा था। खाद्य श्रृंखला की अवधारणा को सरल एवं व्यावहारिक ढंग से समझाने के लिए डीएमसी मनोज कुमार साहू ने धागे का प्रयोग किया। विद्यार्थियों को धागा पकड़कर यह समझाया

गया कि खाद्य श्रृंखला में प्रत्येक जीव की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और किसी एक कड़ी के कमजोर होने या टूटने से पूरी श्रृंखला प्रभावित हो सकती है। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को विज्ञान की अवधारणा को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखकर प्रयोग के जरिए समझने का अवसर मिला। निरीक्षण के दौरान हाई स्कूल रजबहर के परीक्षा परिणामों की भी जानकारी ली गई। इस पर डीएमसी ने सभी शिक्षकों को विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति पर विशेष ध्यान देने, कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर अतिरिक्त अभ्यास कराने तथा आगामी परीक्षाओं में बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिए।

60 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए जिला चिकित्सालय भेजे गए

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशनों में सेवा सेतु अभियान के तहत आकांक्षी विकासखंड शंकरगढ़ में 13 अक्टूबर को मोतियाबिंद मुक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से शंकरगढ़ के 60 मोतियाबिंद पीड़ित मरीजों को नेत्र ज्योति ऑपरेशन के लिए जिला चिकित्सालय बलरामपुर भेजा गया। मरीजों की पहचान से लेकर उन्हें जिला चिकित्सालय तक पहुँचाने में नेत्र सहायक अधिकारी श्री दुर्गेश त्रिपाठी, सभी सेक्टर प्रभारियों, सेक्टर सुपरवाइजर्स, बीडीएम, मैदानी कर्मचारियों तथा मितांिनों का सराहनीय योगदान रहा।

की धुन पर श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते हुए भक्ति में लीन नजर आए। श्री सर्वेश्वरी समूह के स्वयंसेवकों एवं श्रद्धालुओं ने 151 मीटर लंबी चुनरी यात्रा निकालकर मां महिषासुर मर्दिनी के चरणों में चुनरी अर्पित की। इस दौरान माता रानी के जयकारों से क्षेत्र के पहाड़, जंगल और घाटियां गुंज उठीं।श्री सर्वेश्वरी समूह, अवधूत भगवान राम कुछ सेवा आश्रम, पड़ोब धाराणसी के तत्वावधान में शाखा मकरी कुटिया द्वारा आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र के बड़ी संख्या में युवा, माताएं-बहनें एवं अन्य श्रद्धालु शामिल हुए। ढोल-नगाड़ा और पारंपरिक वाद्ययंत्रों

ने मां भगवती को 151 मीटर लंबी चुनरी अर्पित कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जनकल्याण की कामना की। सामूहिक सहभागिता और धार्मिक



मां अष्टभुजी गढ़वतिया देवी का धाम क्षेत्रवासियों की गहरी आस्था का केंद्र है। श्रद्धालुओं ने दुर्गम पहाड़ी रास्ते से गुजरते हुए पूरे उत्साह और भक्तिभाव के साथ चुनरी यात्रा पूरी की। इस दौरान ‘जय मां सर्वेश्वरी’, ‘जय मां गुरु’ और ‘मां गढ़वतिया देवी की जय’ के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। यात्रा के समापन पर श्रद्धालुओं

उत्साह से परिपूर्ण इस आयोजन में श्रद्धालुओं की गहरी आस्था देखने को मिली। नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम ने क्षेत्र की सांस्कृतिक परंपराओं, सामाजिक एकता और मां भगवती के प्रति अटूट श्रद्धा को प्रदर्शित किया। चुनरी यात्रा के माध्यम से श्रद्धालुओं ने मां गढ़वतिया देवी के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

दशहरा उत्सव के सुव्यवस्थित आयोजन हेतु बैठक में बनी सहमति

रूट निर्धारण, यातायात नियंत्रण एवं आवश्यक व्यवस्थाओं पर हुई चर्चा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां के स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित होने वाले दशहरा महापर्व के सुव्यवस्थित एवं गरिमामय आयोजन को लेकर शुक्रवार को संयुक्त



जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की उपस्थिति में सेवा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में दशहरा उत्सव के आयोजन से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

परंपराओं के अनुरूप उत्सव आयोजित करने तथा आयोजन को सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सेवा समिति के अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल, सचिव रामकृष्ण ओझा, उपाध्यक्ष मुकेश गर्ग, ब्रवण जैन सहित समिति के सदस्य एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

